संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक

घटती घटना

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक -07 शुक्रवार ,08 नवम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

जम्मू-कश्मीर विधानसभा हंगामा

» स्मृति ईरानी बोलीं... कभी नहीं होगी आर्टिकल 370 की वापसी...

» कांग्रेस-एनसी का असली चेहरा सामने आया...

» जम्मू-कश्मीर में जारी विधानसभा का पहला सत्र...

» पास हुआ था विशेष राज्य का दर्जा देने वाला प्रस्ताव

» आज खुर्शीद अहमद शेख ने की370 बहाली की मांग...

श्रीनगर,07 नवम्बर 2024(ए)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में गुरुवार को भारी हंगामा हुआ। हंगामे की वजह था...एक दिन पहले पारित हुआ जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का प्रस्ताव देने वाला विधेयक। इस बीच,गुरुवार को जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो इंजीनियर रशीद के भाई और अवामी इत्तेहाद पार्टी के विधायक शेख खुर्शीद ने 'आर्टिकल 370 का वापस लाओ' वाला पोस्ट दिखाया।

इसके बाद भाजपा के विधायक भड़क गए। देखते ही देखते हाथापाई शुरू हो गई। सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए स्पीकर ने खूब कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। बाद में मार्शल बुलाकर विधायक को दूर किया गया। हंगामा नहीं थमा, तो सदन की कार्यवाही शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

कल प्रस्ताव की चिंगारी... आज ऐसे भड़की आग

हंगामे की पृष्ठभूमि बुधवार को रख दी गई थी, जब उमर अब्दुल्ला सरकार ने संख्या के दम पर जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाला प्रस्ताव पारित कर दिया। इसके बाद गुरुवार को विधायक शेख खुर्शीद ने सदन में एक पोस्टर लहराया, जिस पर लिखा था कि आर्टिकल 370 और 35 बहाल होना चाहिए। भाजपा के विधायक यह पोस्टर देखकर भड़क गए। भाजपा विधायकों ने यह पोस्टर छीनने और फाड़ने की कोशिश की। इसके साथ ही विधायकों में हाथापाई शुरू हो गई।

स्थिति बेकाबू हुई, तो विधानसभा अध्यक्ष ने मार्शल बुलाए। मार्शलों ने भाजपा के विधायकों को पकड़-पकड़ कर बाहर करना शुरू कर दिया। कुछ को घसीटा भी गया।

इस दौरान कुछ विधायक घायल भी हो गए। सदन में शांति स्थापित नहीं हुई, तो अध्यक्ष ने कार्यवाही एक दिन के लिए स्थगित कर दिया। विधायकों ने सदन के बाहर आकर बयानबाजी की। भाजपा का आरोप है कि उमर अब्दुल्ला सरकार पाकिस्तान का एजेंडा बहाल करना चाहती है। सरकार ऐसे कितने ही प्रस्ताव ले आए, हम पास नहीं होने देंगे।

अब पराली जलाने पर लगेगा दोगुना जुर्माना

» सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद केंद्र सरकार का एक्शन

नई दिल्ली,07 नवम्बर 2024(ए)। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ता वायु प्रदूषण और जहरीली होती हवा एक गंभीर समस्या बन गई है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मुद्दे पर चिंता जताते हुए केंद्र और राज्य सरकारों को कई बार फटकार लगाई है। अब केंद्र सरकार ने पराली जलाने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए जुर्माने की राशि को दोगुना कर दिया है। अगर अब कोई 5 एकड़ से अधिक जमीन पर पराली जलाते हुए पाया जाता है,तो उस पर 30 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा। भारत सरकार ने इस संबंध में एक गजट नोटिफिकेशन जारी किया है, जिसमें साफ तौर पर कहा गया है कि 2 से 5 एकड़ तक की जमीन पर पराली जलाते हुए पकड़े जाने पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। इसके अलावा,अगर 5 एकड़ से अधिक जमीन पर पराली जलाते हुए पकड़ा जाता है, तो 30 हजार रुपये का जुर्माना देना होगा। वहीं, 2 एकड़ से कम जमीन पर पराली जलाने पर 5 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

ये नियम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग अधिनियम, 2021 के अंतर्गत संशोधित किए गए हैं। केंद्र सरकार ने अधिनियम की धारा 25 की उप-धारा (2) के खंड का हवाला देते हुए इन नियमों को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (पराली जलाने के लिए पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति का अधिरोपण, संग्रहण और उपयोग) संशोधन नियम, 2024 के रूप में पारित किया है।

देश की संक्षिप्त खबरें

डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को लेंगे राष्ट्रपति पद की शपथ

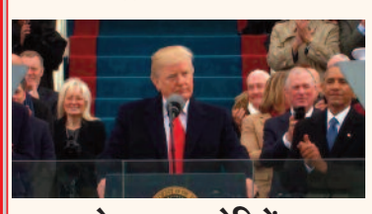

» सबसे उम्रदराज प्रेसिडेंट का बनेगा नया रिकार्ड

वाशिंगटन,07 नवम्बर 2024(ए)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप ने बहुमत हासिल कर लिया है। अमेरिका में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ट्रंप पहले राष्ट्रपति बनें हैं जिन्होंने 4 साल के अंतराल पर दोबारा जीत हासिल की है। बता दें कि ट्रंप 2016 में पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने थे। ट्रंप, राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाले अमेरिका के इतिहास के सबसे बुजुर्ग राष्ट्रपति होंगे। वह 20 जनवरी को जब ट्रंप राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे तब उनकी उम्र 78 साल 221 दिन हो चुकी होगा।

सरकार का आदेश,नाबालिग बच्चे नहीं कर पाएंगे सोशल मीडिया का इस्तेमाल

मेलबर्न,07 नवम्बर 2024(ए)। ऑस्ट्रेलियाई सरकार 16 साल से कम उम्र के बच्चों पर सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने पर प्रतिबंध लगाने जा रही है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने इस संबंध में एक प्रस्ताव पेश किया है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी और संचार मंत्री मिशेल रोलैंड ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्सेस के लिए न्यूनतम आयु सीमा को 16 साल निर्धारित करने के लिए कानून बनाने का फैसला किया है।

सरकारी नौकरियों में भर्ती नियमों में बीच में बदलाव नहीं

» सीजेआई चंद्रचूड़ की बेंच का बड़ा फैसला...

नई दिल्ली,07 नवम्बर 2024 (ए)। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने गुरुवार को सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया पर एक अहम फैसला सुनाया। अदालत ने स्पष्ट किया कि सरकारी नौकरियों के लिए भर्ती के नियमों को प्रक्रिया के बीच में बदला नहीं जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चयन के नियम भर्ती प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही तय किए जाने चाहिए।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में पांच न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि सरकारी नौकरियों में चयन के नियमों या पात्रता मानदंड को तब तक नहीं बदला जा सकता जब तक नियम में इसके लिए विशेष प्रावधान न हो। पीठ में जस्टिस हृषिकेश रॉय, जस्टिस पीएस नरसिम्हा, जस्टिस पंकज मिथल और जस्टिस मनोज मिश्रा भी शामिल थे। पीठ ने जुलाई 2023 में इस मामले पर सुनवाई के बाद आज फैसला सुनाया। पीठ ने कहा कि चयन के नियम संविधान के अनुच्छेद 14 के अनुसार होने चाहिए, और सार्वजनिक भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया के बीच में नियमों में बदलाव से उम्मीदवारों को असमंजस और असुविधा नहीं होनी चाहिए।यह मामला इस सवाल पर आधारित था कि क्या किसी सार्वजनिक पद के लिए चयन के मानदंडों को भर्ती प्रक्रिया के बीच में बदला जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में 2008 के के. मंजूश्री बनाम आंध्र प्रदेश राज्य मामले का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि भर्ती के नियमों को बीच में नहीं बदला जा सकता।

चल रही है धर्म-अधर्म की लड़ाई

» अब अपने देश को ठीक करना है...

नई दिल्ली,07 नवम्बर 2024 (ए)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने चित्रकूट में कहा कि धर्म-अधर्म की लड़ाई चल रही है। अब अपने देश को ठीक करना है। हम ईश्वर प्रदत्त अपना कर्तव्य अपना निभाएं,ये अपेक्षा है यानी धर्म के पक्ष में खड़े हो जाएं लेकिन ये होना है तो आचरण आना चाहिए।

उन्होंने कहा कि एक तरफ स्वार्थ का दैत्य उभरते भारत को दबाने का यानी सत्य को दबाने का प्रयास कर रहा है लेकिन वो कभी सफल नहीं होंगे क्योंकि सत्य कभी दबता नहीं है, सत्य सिर में चढ़कर बोलता है और वही हो रहा है।

हमारी हस्ती नही मिटती :भागवत

संघ प्रमुख ने कहा कि हमारी हस्ती इसलिए भी नहीं मिटती क्योंकि उस हस्ती को हमारी ऋषि-संतों की परंपरा, ईश्वर निष्ठों की मंडली का आशीर्वाद प्राप्त है। भागवत ने कहा कि सनातन धर्म दुनिया को प्रदान करना हिन्दू समाज और भारत का कर्तव्य है।

संघ प्रमुख ने कहा कि चित्रकूट आकर इस कार्यक्रम में शामिल होने से मेरा भी उद्देश्य सफल हुआ, संतो का आशीर्वाद मिला, व्याख्यान सुनने को मिला। अच्छा भोजन करने के बाद थोड़ा सा कड़वा चूर्ण खाने से हाजमा ठीक होता है. मेरे वक्तव्य को उसी चूर्ण की तरह समझें।

चित्रकूट के दो दिवसीय प्रवास पर भागवत

संघ प्रमुख अपने दो दिवसीय प्रवास पर बुधवार को चित्रकूट पहुंचे थे। वह मानस मर्मज्ञ बैकुंठवासी पंडित रामकिंकर उपाध्याय जन्म शताब्दी समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय संत और मानस मर्मज्ञ मोरारी बापू समेत बड़ी संख्या में संत-महंत, कथावाचक एवं प्रबुद्ध जन उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

» अब एलएमव्ही लाइसेंस धारक चला सकेंगे 7500 किग्रा तक के ट्रांसपोर्ट वाहन

नई दिल्ली,07 नवम्बर 2024 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए लाखों एलएमव्ही(हल्के मोटर वाहन) ड्राइविंग लाइसेंस धारकों को बड़ी राहत दी है। मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने फैसला सुनाया है कि एलएमव्ही लाइसेंस धारक अब 7,500 किलोग्राम तक के ट्रांसपोर्ट वाहनों को चला सकेंगे। इस फैसले से कई नए रोजगार और अवसरों का मार्ग प्रशस्त हुआ है और बीमा उद्योग के लिए भी नई चुनौतियां पेश की हैं।

यह विवाद तब उत्पन्न हुआ जब बीमा कंपनियों ने तर्क दिया कि एलएमव्ही लाइसेंस धारक यदि ट्रांसपोर्ट वाहन चलाते हैं और दुर्घटना होती है, तो उन्हें मुआवजा देना उनके लिए गलत होगा, क्योंकि कानूनन उन्हें भारी वाहन चलाने की अनुमति नहीं होती। बीमा कंपनियों का कहना था कि अलग लाइसेंस की आवश्यकता के बिना एलएमव्ही लाइसेंस पर ट्रांसपोर्ट वाहन चलाना अनुचित है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के तहत अब एलएमव्ही लाइसेंस धारकों को 7,500 किलोग्राम तक के ट्रांसपोर्ट वाहन चलाने का अधिकार मिल गया है, जो उनके लिए नए अवसरों का द्वार खोलता है। अब बीमा कंपनियों को भी उन मामलों में बीमा दायित्व निभाना होगा, जहां एलएमव्ही लाइसेंस धारक ट्रांसपोर्ट वाहनों में दुर्घटना का शिकार होते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को पलटा

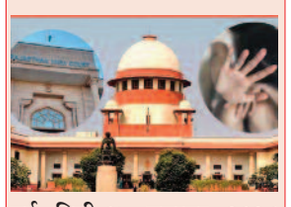

नई दिल्ली,07 नवम्बर 2024 (ए)। यौन उत्पीड़न केस पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी टिप्पणी की है। गुरुवार को अदालत ने कहा कि आरोपी और पीड़ित के बीच सिर्फ समझौते के आधार पर केस को रद्द नहीं किया जा सकता है। इस संबंद में शीर्ष न्यायालय ने राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले को पलट दिया, जिसमें कोर्ट ने केस को रद्द करने के लिए सीआरपीसी की धारा 482 के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल किया था। दरअसल,राजस्थान हाईकोर्ट ने नाबालिग छात्रा के यौन उत्पीड़न के दोषी शिक्षक विमल कुमार गुप्ता को राहत दे दी थी। यह मामला 2022 का गंगापुर का है। खबर है कि दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया था, जिसे शुरुआत में निचली अदालत ने मानने से इनकार कर दिया था, लेकिन हाईकोर्ट ने स्वीकार कर लिया था।

संवैधानिक मूल्यों को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी: प्रियंका गांधी

वायनाड (केरल),07 नवम्बर 2024 (ए)। केरल की वायनाड लोकसभा सीट से यूडीएफ गठबंधन की प्रत्याशी कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके नेता नरेन्द्र मोदी संविधान के समानता, न्याय और धर्मनिरपेक्षता के मूल्यों को नष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं. प्रियंका ने दावा किया कि भाजपा के पिछले 10 साल के शासन में देश में विभाजन की राजनीति देखने को मिली है जहां सत्तारूढ़ दल ने सत्ता में बने रहने के लिए जनता का ध्यान उनकी वास्तविक समस्याओं से हटाने का प्रयास किया. मलप्पुरम जिले की वानदूर विधानसभा में चेरूकोडे में एक नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए प्रियंका ने कहा कि जब ऐसे लोग राजनीति में शक्तिशाली हो जाते हैं तो लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी में आने वाली समस्याओं के समाधान पर ध्यान नहीं रहता. कांग्रेस नेता ने वायनाड लोकसभा क्षेत्र में उपचुनाव के लिए अपने पांच दिवसीय प्रचार अभियान के चौथे दिन आरोप लगाया कि भाजपा के शासन में देश में किसानों या मध्यम एवं लघु उद्यमों के लिए कोई समर्थन प्रणाली नहीं है.

उन्होंने कहा कि छोटे और मझोले उद्योग देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी होते हैं और बड़ी संख्या में रोजगार प्रदान करते हैं,लेकिन उन्हें किसानों की तरह ही समर्थन की जरूरत है. कांग्रेस महासचिव ने कहा कि वायनाड में मसालों जैसे उच्च गुणवत्ता के कृषि उत्पादों की पैदावार होती है, लेकिन किसानों को खेती में कोई भविष्य नजर नहीं आता और छात्र एवं अन्य लोग बेहतर रोजगार अवसरों तथा उच्च शिक्षा की तलाश में विदेश चले जाते हैं. उन्होंने पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं जैसे विषय भी उठाए. प्रियंका गांधी ने कहा कि वह एक 'योद्धा' हैं और अगर उन्हें मौका मिला तो वह वायनाड के लोगों के लिए संसद और हर दूसरे मंच पर लड़ेंगी ताकि उनके मुद्दों का समाधान निकल सके.उन्होंने कहा, ''मैं पीछे नहीं हटूंगी. मैं आपके लिए लड़ूंगी. मैं आपको निराश नहीं करूंगी. अब हम एक परिवार हैं.'' प्रियंका चेरूकोडे के अलावा वनदूर विधानसभा क्षेत्र के थुवूर और कालिकावू कस्बों में और निलाम्बुर विधानसभा के पूकोट्टूमपदम में भी नुक्कड़ सभाओं को संबोधित करेंगी.

आंख की जगह थी चमड़ी

महिला ने ऐसे जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया कि देखते ही निकल गई चीख

बीकानेर,07 नवम्बर 2024 (ए)। जब एक औरत मां बनने वाली होती है, तो वह अहसास उसके लिए दुनिया का सबसे खूबसूरत अहसास होता है। मां अपनी कोख में 9 महीने तक बच्चे को रखती है और बेसब्री से उसके दुनिया में आने का इंतजार करती है। मां के लिए दुनिया में उसके बच्चे से ज्यादा कोई भी अहम नहीं होता। बच्चा चाहे काला हो, गोरा हो या जैसा भी हो। मां के लिए वह हर तरह खूबसूरत ही होता है लेकिन राजस्थान में एक महिला अपने बच्चों को देखते ही ऐसे डर गई कि उसकी निकल पड़ी। ये मामला राजस्थान से सामने आया है, जहां के बीकानेर के नोखा कस्बे में एक प्राइवेट हॉस्पिटल में एक महिला ने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया। परिवार को पहले ही पता लग गया था उनके घर पर ट्विंस आने वाले हैं। इस वजह से सभी बेहद खुश थे। परिवार अपने जुड़वा बच्चों के पैदा होने का इंतजार कर रहा था लेकिन जब यह पैदा हुए तो हर कोई उन्हें गोद में लेने से डर रहा है। यहां तक की खुद बच्चों को जन्म देने वाली मां भी बच्चों को देखकर डर गई।

एक आंख की जगह स्किन

बच्चों को काफी गंभीर बीमारी है. एक बच्चे की आंख की जगह पर स्कीन है. अब जिस हालात में यह बच्चे पैदा हुए हैं और उनकी हालात को देखकर डॉक्टरों का कहना है कि ऐसी गंभीर स्थिति में पैदा होने वाले बच्चों का बच पाना मुश्किल होता है। ऐसे बच्चे एक हफ्ता भी सही नहीं रहते। हालांकि बच्चों का इलाज डॉक्टर्स कर रहे हैं और परिवार वालों ने अभी तक इसको लेकर कुछ नहीं कहा है।

बच्चों को है ये बीमारी

दरअसल जिन जुड़वा बच्चों को महिला ने बीकानेर के प्राइवेट हॉस्पिटल में जन्म दिया। उनको रेयर स्किन डिजीज है। दोनों बच्चों की स्किन पूरी तरह से विकसित नहीं हुई है, जिस वजह से बच्चों के पूरे शरीर पर जख्म हैं. बच्चों की ऐसी हालत देखकर खुद डॉक्टर्स भी हैरान हैं क्योंकि बच्चों की पैदाइश से पहले बच्चों की हालत को लेकर जानकारी नहीं हो पाई। अब बच्चों को सरकारी हॉस्पिटल में रेफर कर दिया गया है।

संपादकीय

देश में आतंक का माहौल

सुरक्षा के मोर्चे पर चुस्ती और सख्ती के तमाम दावों के बावजूद देश में आतंक का माहौल क्यों लौट रहा है? झूठी धमकियां देने वालों या हमले की तैयारी में लगे समूहों के बारे में खुफिया एजेंसियां पूर्व सूचना क्यों नहीं जुटा पा रही हैं?जम्मू-कश्मीर में निर्वाचित सरकार के पद संभालने के कुछ दिनों के अंदर ही आतंकवादियों ने कहर ढाया है। श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर सोनमर्ग के पास रविवार को उनके हमले में सात लोग मारे गए। इनमें ज्यादातर दूसरे राज्यों से आए कर्मी हैं, जो वहां निर्माण कार्य में लगे थे। दो बातें खास हैं। कश्मीर घाटी में जारी निर्माण कार्यों से संबंधित स्थल पर हाल के वर्षों में हुआ यह पहला हमला है। फिर यह वहां हुआ, जिसके बारे में पिछले एक दशक से माना जाता था कि वह इलाका आतंकवाद के साये से मुक्त हो चुका है। बताया गया है कि ताजा हमला पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने किया।जिस रोज यह हमला हुआ, उसी दिन नई दिल्ली के रोहिणी इलाके में सीआरपीएफ पब्लिक स्कूल के बाहर बम धमाका हुआ, जिससे स्कूल परिसर की बाउंड्री वॉल क्षतिग्रस्त हो गई। प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। उधर रविवार को ही 25 उड़ानों के दौरान उनमें बम होने की धमकी मिली, जिस वजह से उनकी इमरजेंसी लैंडिग करानी पड़ी। इसके पहले शनिवार को 30 से ज्यादा उड़ानों को ऐसी धमकियां मिली थीं। ये सभी फर्जी निकलीं, मगर दोनों दिन इनकी वजह से हवाई यात्राएं बाधित हुईं और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दरअसल, थोड़ा पीछे जाकर देखें, तो काफी समय से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्कूलों और अस्पतालों में बम होने की धमकियां मिल रही हैं।अब तक ये धमकियां फर्जी साबित हो रही थीं, लेकिन रविवार को आखिरकार सचमुच विस्फोट हो गया। ऐसी घटनाओं ने देश में आतंक का माहौल लौटा दिया है। इससे सवाल उठा है कि सुरक्षा के मोर्चे पर चुस्ती और सख्ती के तमाम दावों के बावजूद देश में ये माहौल क्यों लौट रहा है? झूठी धमकियां देने वालों या हमले की तैयारी में लगे समूहों के बारे में खुफिया एजेंसियां पूर्व सूचना क्यों नहीं जुटा पा रही हैं? जम्मू-कश्मीर का मामला ज्यादा गंभीर है। जम्मू क्षेत्र आतंकवादी हमलों के नए ठिकाने के रूप में उभरा है, जबकि अब कश्मीर घाटी में भी ऐसी वारदातों ने फिर सिर उठा लिया है। आखिर क्यों?

ट्रम्प की जीत के भारत के लिए मायने

डॉ. सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

अमेरिका एक तरह से भारत की तरह है, जो इस सदी की शुरुआत में नई दिशा की तलाश में था, चीजों को हिलाने और एक नया रास्ता बनाने के लिए दो आम चुनाव,एक नीरस दशक और नरेंद्र मोदी के उग्र आगमन की जरूरत पड़ी। व्यवसायी ट्रम्प के लिए,खातों को संतुलित करना और व्यापार घाटे को कम करना एक स्वाभाविक कार्य है, जिसे वे 2016 से 2020 तक की तरह ही लगन से अपनाएंगे। उनके पहले कार्यकाल की रणनीति से प्रेरणा लेते हुए, हम अमेरिका से चीन, भारत और यूरोप जैसे दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा बाजारों में तेल और गैस के निर्यात में वृद्धि की उम्मीद कर सकते हैं...

ट्रम्प की जीत भारत के लिए व्यावसायिक रूप से चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद रणनीतिक रूप से फायदेमंद है। ट्रम्प की उल्लेखनीय वापसी के वास्तविक महत्त्व को समझने के लिए, हमें भावनाओं से आगे बढ़कर निहितार्थों की ओर बढ़ना होगा। अंतरराष्ट्रीय सम्बंधों में सिर्फ़ इतना ही काफ़ी नहीं होता। निजी रिश्तों के साथ ही साथ दोनों देशों के आपसी हितों का तालमेल या टकराव नीतियों की दिशा तय करता है। इस लिहाज से ट्रंप का दूसरा कार्यकाल भारत के लिए कैसा रहेगा, यह तो उनके जनवरी में कार्यभार संभालने के बाद ही पता चलेगा। ट्रम्प को अब चीन या बहुपक्षवाद की तुलना में उनके उद्देश्यों के लिए अधिक गंभीर बाधा के रूप में फिर से स्थापित किया गया है। डीप स्टेट के लिए बदतर यह है कि इस बात की पूरी संभावना है कि यूक्रेन और गाजा में चल रहे दोनों युद्ध या तो संप्रभु बहुपक्षीय समन्वय द्वारा समाप्त कर दिए जाएंगे, या, उन्हें सामान्य रूप से व्यवसाय की वापसी सुनिश्चित करने के लिए कालीन के नीचे दबा दिया जाएगा। राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान डेमोक्रेट तुलसी गबार्ड ने डेमोक्रेट के बीच कहर बरपाया है और लिज़ चेनी जैसे सच्चे रिपब्लिकन राजघराने ने डेमोक्रेट के लिए खुलकर प्रचार किया है। पहली नज़र में यह भ्रामक लग सकता है, यहाँ तक कि अजीब भी, लेकिन ऐसा तब होता है जब राजनीतिक विचारधारा उतनी ही तेज़ी से खरगोश के बिल में चली जाती है जितनी कि अमेरिका में। अगर पार्टियों को अब यह नहीं पता कि वे किस लिए खड़े हैं, तो कल्पना करें

कि आम राजनेता,पार्टियों के कार्यकर्ता और मतदाता कितने भ्रमित होंगे? अमेरिका एक तरह से भारत की तरह है, जो इस सदी की शुरुआत में नई दिशा की तलाश में था; चीजों को हिलाने और एक नया रास्ता बनाने के लिए दो आम चुनाव, एक नीरस दशक और नरेंद्र मोदी के उग्र आगमन की ज़रूरत पड़ी। व्यवसायी ट्रम्प के लिए, खातों को संतुलित करना और व्यापार घाटे को कम करना एक स्वाभाविक कार्य है, जिसे वे 2016 से 2020 तक की तरह ही लगन से अपनाएंगे। ट्रम्प के पहले कार्यकाल की रणनीति से प्रेरणा लेते हुए, हम अमेरिका से चीन, भारत और यूरोप जैसे दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा बाजारों में तेल और गैस के निर्यात में वृद्धि की उम्मीद कर सकते हैं। महामारी तक उन्होंने यही सफलतापूर्वक किया और विडंबना यह है कि जो बिडेन ने भी इसे दोहराने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए। पहले क्रम के प्रभाव अमेरिका के लिए अच्छे हैं क्योंकि अपस्ट्रीम हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में बढ़ी हुई गतिविधि का मतलब है अधिक नौकरियाँ, आर्थिक विकास, कम व्यापार घाटा और कम मुद्रास्फीति। तेल, विशेष रूप से शेल तेल ने किसी भी अन्य क्षेत्र की तुलना में अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने में अधिक योगदान दिया और ऐसा फिर से हो सकता है।

दूसरा पहलू यह है कि ट्रम्प के भीतर की ओर देखने से भारत में कुछ नौकरियाँ ख़त्म हो सकती हैं और हम कुछ वीजा युद्ध देख सकते हैं। चीन और भारत को अमेरिकी कच्चे तेल की खरीद करने के लिए राजी करना कूटनीतिक मोर्चे पर एक ईमानदार समझौता है, जिसका सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए व्यापक रूप से मतलब होगा कि भारत और चीन को घरेलू मामलों में बहुत अधिक अमेरिकी हस्तक्षेप के बिना अपनी बढ़ती वैश्विक स्थिति को मज़बूत करने के लिए अकेला छोड़ दिया जाएगा। निश्चित रूप से, कुछ शोर-शराबा होगा।

इसकी प्रतिक्रिया में, यह संभव है कि सऊदी अरब जैसे बड़े तेल और गैस निर्यातक बाज़ार हिस्सेदारी को बनाए रखने के लिए एकतरफा कीमतों में कटौती कर सकते हैं, जबकि अमेरिका कतर को निचोड़ने और ईरान को खेल से बाहर रखने के लिए अपने सभी शेष प्रभाव का उपयोग करता है। इस खेल की प्रगति का एक संकेतक यह है कि यह देखने के लिए प्रतीक्षा करें और देखें कि क्या भारत ईरान से कच्चे तेल की खरीद फिर से शुरू करता है या नहीं। यदि ऐसा होता है, तो वैश्विक गतिशीलता कैसे बदलेगी,इस पर सभी दांव बंद हो जाएंगे, क्योंकि इसका मतलब होगा कि अमेरिका ने बहुधुवीयता को नई वैश्विक वास्तविकता के रूप में स्वीकार कर लिया है। यूक्रेन और गाजा में चल रहे दो युद्धों पर अमेरिका की स्थिति में किसी तरह की वापसी होगी। दोनों युद्ध या तो बहुपक्षीय संप्रभुता के आदेश से समाप्त हो जाएंगे, या फिर सामान्य स्थिति में वापसी सुनिश्चित करने के लिए उन्हें बेरहमी से दबा दिया जाएगा। अमेरिका और बाक़ी दुनिया के लिए जल्द से जल्द यह सामान्य हो जाना चाहिए, क्योंकि, हम भूल न जाएँ, महामारी के बाद एक रिकवरी वर्ष प्राप्त करने के बजाय, हमें दो बदसूरत छद्म युद्ध, बढ़ती मुद्रास्फीति और दुर्बल करने वाले व्यापार व्यवधान मिले, कुछ ऐसा जिससे भारत केवल इसलिए बच गया क्योंकि हमने रूस पर पश्चिम के प्रतिबंधों को चतुराई से दरकिनार कर दिया। अब आगे अमेरिकी चुनावी सुधारों पर अब गंभीरता से बहस शुरू होगी। व्यवस्था टूट चुकी है और इसे ठीक करने की ज़रूरत है। सुधार किस तरह की रूपरेखा अपनाएगा, यह केवल विस्तार का विषय है, लेकिन, सिद्धांत रूप में, इसकी आवश्यकता पर बातचीत शुरू होगी। यह एकमात्र तरीक़ा है जिससे अमेरिका सभ्यतागत पतन से बच सकता है जिसकी ओर वह वर्तमान में बढ़ रहा है और ट्रम्प यह जानते हैं। हालांकि, कड़े व्यापार रवैये के बावजूद ट्रंप का दूसरा कार्यकाल भारत के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप के कार्यकाल में भारत पर अमेरिकी व्यापार सरप्लस की जांच और संभावित प्रतिबंध लगाने का दबाव रहेगा। इसके बावजूद, अमेरिका की चाइना प्लस वन रणनीति भारत के लिए अवसर ला सकती है। चाइना प्लस वन एक व्यापार रणनीति है, जिसमें कंपनियाँ चीन पर निर्भरता घटाने के लिए अन्य देशों, जैसे भारत में अपने संचालन को बढ़ा रही हैं। ट्रंप के पहले कार्यकाल में चीन से आयातित सामान पर टैरिफ और मैन्युफैक्चरिंग को घरेलू स्तर पर लाने पर ज़ोर के चलते यह रणनीति तेजी से उभरी थी। इस बार भी ट्रंप की वापसी से यह रुख और मज़बूत हो सकता है, जिससे भारत जैसे देशों में निवेश और सप्लाई चेन विस्तार को बढ़ावा मिलेगा।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

याद आते हैं कुआं,ताल-पोखर वाले दिन

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा, उत्तरप्रदेश.

जून 2024, दूसरे पखवाड़े के 5 दिन ही बीते थे। सूरज अपनी ही आग में जला जा रहा था। तीखी तेज धूप से पेड़ों की छाया भी सूख कर सिमट गई थी। अपने झुंड से बिछड़ बादल का एक छोटा टुकड़ा धूप से लुका छुपी खेलने में मशगूल था। नीरस व्याकुल शाम थके मजदूर सी घर जाने की जल्दी में थी। शहर के जलस्रोत सूख चुके थे। मेरा ध्यान अपने गांव के जल से लबालब भरे बड़े तालाब की ओर अनायास चला गया। मुझे लगा कि गांव जाकर तालाबों की वर्तमान स्थिति पर एक लेख लिखना चाहिए। हालांकि गांव बहुत दूर तो न था पर नौकरी और घर-परिवार की व्यस्तता एवं जिम्मेदारी उठाते वर्षों से गांव जाना सम्भव नहीं हो सका था। पुश्तैनी मकान अब आखिरी सांसें गिन रहा था। दैनंदिन संझवाती, दिया-बाती के अभाव में उपेक्षा के अंधेरे में घिरा मकान ढहने लगा था। लगभग डेढ़ दशक बाद मैं गांव जाने वाला था, सुबह की प्रतीक्षा थी।

उस रविवार की सुबह भी कुछ अलग न थी। गरम हवा मानो पंख बांधकर उड़ रही थी। मीठी चटनी के साथ दो परांठे और चाय उदरस्थ कर पानी की बोतल बैग में रख मैंने गांव की बस का पहला नम्बर पकड़ लिया था। बस की खुली खिड़की से आ रही हवा में शीतलता न थी। सवारियों में ज्यादातर फेरी लगाने वाले थे, दो-तीन विद्यार्थी थे और शादी-विवाह के निमंत्रण जाने वाले दो एक परिवार थे। हां, पीछे की लम्बी सीट पर बैंड बजाने वाले अपने साज लिए बैठे थे। बस में इत्र, पसीने और बीड़ी के धुएं की मिली-जुली गंध पसरी थी। मैं खिड़की के बाहर भागते पेड़ों को देखते झपकी लेने लगा था। अचानक बस के ब्रेक चरमराये और कंडक्टर मुझे झिंझोड़ते हुए बोला, बाबू जी,आपका स्टाप आ गया, यहीं उतर लें। मेरे साथ दो फेरी वाले और एक परिवार उतरा, सभी ने अपनी राह पकड़ी। मैंने बोतल निकाल गला तर किया, गमछा सर पर डाला और रजबहे (छोटी नहर) की दाहिनी पट्टी पर चलने लगा। मुख्य सड़क से सौ मीटर की दूरी पर अहीर-आरख समुदाय का पुरवा है। यहां रजबहे के ठीक बगल में एक बड़ा पक्का कुआं हुआ करता था पर अब वह मुझे कहीं दिख नहीं रहा था। कभी रात के दस-ग्यारह बजे तक इस कुएं पर चहल-पहल रहा करती थी। नहाना-धोना, पशुओं को पानी पिलाना, घर के लिए पीने के पानी का यह एकमात्र स्रोत एवं सहारा था। भोर से ही पनिहारने मंगलगीत गाती अपनी-अपनी गगरियां भरने लगतीं। जगत के बाहर की ओर बनी चरही में पशुओं के लिए पानी भरा जाने लगता। भाभी देवर की हंसी-ठिठोली का गवाह बनता वह कुआं कितनी पीढ़ियों के कुआं पूजन की रस्म का साक्षी रहा है। पर अब न कुआं था, न हंसी-ठिठोली के स्वर, न कुआं पूजन की रस्म।

हृदय में वेदना की लकीर खिंच गई। सौ कदम बढ़ा ही था कि ध्यान आया वहां से सौ कदम की दूरी पर जामुन का एक बड़ा पेड़ हुआ करता था जिसकी एक डाल कुछ-कुछ पालकी के बांस की तरह टेढ़ी होकर रजबहे की दूसरी पट्टी तक फैली थी। बरसात के मौसम में हम बच्चे अक्सर उस डाल से नहर के पानी में छपाक-छपाक् से कूदते थे, बंद आंखों से वह दृश्य मानो साक्षात वर्तमान हो उठा था, पर आंख खुली तो निराशा हाथ लगी, अब कोई पेड़ न था। वहां से सड़क मेरे पुरवा की ओर मुड़ी और अब मैं अपने घर-मकान के समृद्ध अतीत के खंडहर में खड़ा था। हर कमरा अटारी की दीवारें गिर चुकी थीं, बस पहचान के लिए कुछ दीवारें जमीन से सिर उठाये सांसें ले रही थीं, शायद मेरे आने की प्रतीक्षा थी उन्हें। सहसा मुझे सिसकने की आवाज सुनाई दी, मैं चारों तरफ घूम गया पर कोई न दिखा। फिर लगा कि कोई मेरी अंगुली पकड़कर खींच रहा है। मैं कुछ समझ नहीं पा रहा था कि तभी दीवारें बोल उठीं, ÷आने में बहुत देर कर दी बेटा, अब यहां कुछ भी शेष नहीं। क्यों आये हो, चले जाओ अपने शहर।÷ मुझे लगा टूटी दीवारों पर मेरे बैठे पुरखे सवाल कर रहे हों, झिड़क रहे हों। मैं ख्यालों में खोया था कि तभी एक जंगली खरहा आंगन में उग आई झाडी से निकल बाहर खेत की ओर भाग गया और बबूल में बैठे बगुले पंख फड़फड़ाते उड़ गये। मेरी तंद्रा टूटी। अरे! आंगन का जामुन का पेड़ कहा गया। मुझे याद आया कि बाबा के मना करने के बाद भी मैं चोरी-छिपे पेड़ पर चढ़कर काले चित्तीदार जामुन खाया करता था और एक बार डाल टूट जाने से गिरते-गिरते बचा था। अगर मेरी टूटी हुई डाल नीचे की डाल में नहीं फंसी होती तो, कल्पना मात्र से मेरी देह में सिहरन दौड़ गई। मैं खोई बिखरी स्मृतियों को समेटने में जुटा था। बाहर नीम के नीचे बने कच्चे चबूतरे का अब नामोनिशान न था एक जिसके एक ओर जानवरों के लिए लडौरी बना दी गई थीं। मेरे नाक में निंबोली और जानवरों की सानी एवं खली-भूसा की मोहक महक पसर गई थी। उस खंडहर के वीराने में एक टूटी दीवार में बैठ स्मृतियों का स्रोत कुरेदने लगा था। तो देखा कि घर के बिल्कुल सटी तलैया गायब थी। पिता जी बताया करते थे कि मकान बनाने के लिए मिट्टी खोदने से वह तलैया बनी थी जिसे हम डबरा कहते थे। उस डबरे में बारिश का पानी भर जाता और पूरे साल गर्मियों तक काम आता। घर के बर्तन वहीं धुले जाते, पशु-पक्षी पानी पीते, सुबह भोजन हेतु चावल भी दौरी में वहीं धोये जाते। डबरा के चारों ओर कोई मेड़ न थी, खेत के बराबर ही था, बीच में गहरा और फिर ऊपर की ओर उथला होते तीन ओर से खेतों से जुड़ जाता। एक ओर जहां हम प्रयोग करते थे, एक पत्थर की पटिया और कुछ ठोके रख दिए थे। वहीं पर कुछ अन्य पौधे भी लगाए थे। डबरा से सटी बांस की तीन कोट थीं जिस पर बारिश में अपने आप उग आए रेरुआ, लौकी, कद्दू की बेल फैल जाती और चार पांच महीने भरपूर सब्जी मिलती।

बैसाख के बाद डबरा का पानी सूखकर घटने लगता। तब पशुओं के पीने के लिए नहरों में पानी छोड़ा जाता। पुरवा के कुछ हम उम्र तरुण और बच्चे रजबहे से बरहा द्वारा पानी तालाब तक लाते। पाने लाने में कई दिन लगते। जल संरक्षण के प्रति यह समझ एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होती जाती। इसी डबरा के पानी से गैरी-खपरा किया जाता, आंवा को बंद करने के लिए पुआल के ऊपर लगाने के लिए गारा भी डबरा से निकालते। इस तरह हर साल डबरा साफ होकर नया रूप धारण कर लेता। डबरा के तीनों उथले हिस्सों में धान अपने आप उग आता जिसे पसही का धान कहा जाता था तो पूजा और व्रत-उपवास में प्रयोग किया जाता। घर और डबरा से लगे हमारे खेत थे। धानन और गेहूं की फसलें होतीं, मेंड़ पर अरहर। हमारे खेतों के अंत की ओर एक दो-तीन बीघे का बड़ा खेत पोखर कहलाता था। उसमें देर से पकने वाली धान की बेड लगाई जाती। उसका धान लगभग मकर संक्रांति तक पकता और कटाई होती, उधर दूसरे खेतों में गेहूं बोना शुरू हो चुका होता। इस पोखर के ऊपर के बाहरी हिस्सों में गेहूं बोया जाता, अंदर का हिस्से में होली के बाद तक पानी भरा रहता। सारस और बगुले जलीय जंतुओं मछली-केकड़ा की दावत उड़ाते रहते। तब हमारे गांव में पानी का कोई संकट न था। दस हाथ खुदाई में में पानी निकल आता। फसलों की सिंचाई वर्षा आधारित थी। न खाद न कीटनाशक न ज्यादा पानी।

राजनीतिक मकसद साधने की मंशा न हो

केंद्र सरकार ने जनगणना की अधिसूचना जारी नहीं की है, लेकिन एक, जनवरी 2025 से प्रशासनिक सीमाएं सील हो जाएंगी और उससे पहले भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण का कार्यकाल अगस्त 2026 तक बढ़ा दिया गया है, जिससे यह संकेत मिल रहा है कि अगले साल जनगणना होगी। उसके अगले साल यानी 2026 में लोकसभा सीटों का परिसीमन होगा और फिर इसी आधार पर 2029 में साथ होने वाले चुनाव में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जाएंगी। इस बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक बड़ा सवाल उठाया है। उन्होंने एक सामाजिक कार्यक्रम में, जहां 16 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया जाना था, वहां कहा कि जब हम ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, जहां संसद में सीटों की संख्या कम होने वाली है तो हमें छोटा परिवार क्यों रखना चाहिए'?इसके आगे उन्होंने नवविवाहित जोड़ों से ज्यादा बच्चे पैदा करने और उन्हें सुंदर तमिल नाम देने का आग्रह किया। हालांकि उन्होंने संसद में सीटों की संख्या कम होने के बारे में विस्तार से कुछ नहीं कहा लेकिन उनका इशारा परिसीमन के बाद की स्थितियों की ओर था। उनसे पहले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने भी लोगों से ज्यादा बच्चे पैदा करने का आग्रह किया था। हालांकि उनका घोषित सरोकार यह था कि दक्षिण के राज्यों में आबादी बूढ़ी हो रही है और कामकाजी युवाओं की संख्या कम हो रही है। परंतु कहीं न कहीं वे भी इस बात से चिंतित हैं कि अगर आबादी के आधार पर लोकसभा सीटों का परिसीमन हुआ तो दक्षिण के राज्यों की राजनीतिक हैसियत घटेगी।तभी यह बड़ा सवाल है कि लोकसभा सीटों के परिसीमन का आधार क्या होगा? क्या सीधे तौर पर जनसंख्या के हिसाब से सीटों की संख्या में बढ़ोतरी कर दी जाएगी? अगर ऐसा हुआ तो उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र जैसे बड़ी आबादी वाले राज्यों को फायदा होगा और दक्षिण भारत के राज्य घाटे में रहेंगे। तभी चंद्रबाबू नायडू और एमके स्टालिन की चिंता सामाजिक या आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक दिखती है। यह चिंता क्षेत्रीय वर्चस्व और फिर अस्मिता की राजनीति में भी बदल सकती है, जिससे एक बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। इसलिए सरकार को परिसीमन के फॉर्मूले के बारे में तर्कसंगत

तरीके से विचार करना होगा और उस पर सभी दलों व राज्यों की सहमति अनिवार्य रूप से लेनी होगी। ध्यान रहे लोकसभा सीटों का परिसीमन जम्मू कश्मीर की तरह नहीं होगा, जहां मनमाने तरीके से भौगोलिक सीमाओं का ध्यान रखे बगैर इस तरह से विधानसभा सीटों का सीमांकन हुआ कि जम्मू क्षेत्र में छह सीट बढ़ गई और कश्मीर घाटी में सिर्फ एक सीट बढ़ी।आजादी के बाद से मोटे तौर पर आबादी के आधार पर ही लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या तय होती रही है। तभी उत्तर प्रदेश में 80 सीटें हैं और तमिलनाडु में 39 हैं। लेकिन आजादी के बाद राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण के उपायों को अलग अलग तरीके से लागू किया। आर्थिक रूप से विकसित राज्यों ने बेहतर ढंग से जनसंख्या नियंत्रण का किया तो उनके यहां जनसंख्या वृद्धि की दर राष्ट्रीय औसत से काफी नीचे आ गई। दक्षिण के राज्यों में तो जनसंख्या बढने् की दर रिप्लसमेंट रेट से भी कम है। रिप्लेसमेंट रेट 2.1 है। इसका मतलब होता है कि अगर दो लोग मिल कर 2.1 बच्चे पैदा करते हैं तो जनसंख्या नहीं बढ़ेगी वह स्थिर हो जाएगी।

दक्षिण के राज्यों में जनसंख्या बढने् की दर 1.6 फीसदी है, जो रिप्लेसमेंट रेट से काफी कम है, जबकि उत्तर के राज्यों खास कर बिहार और उत्तर प्रदेश में वृद्धि दर रिप्लेसमेंट रेट से ज्यादा है।ऐतिहासिक रूप से यह स्थिति रही है तभी दक्षिण के राज्यों में आबादी नियंत्रित हो गई और उत्तर भारत के राज्यों में बढ़ती चली गई। हालांकि अब वहां भी रफ्तार धीमी हो रही है लेकिन उन राज्यों की जनसंख्या बहुत ज्यादा है। अगर इस आधार पर उनकी लोकसभा सीटें बढ़ती हैं तो यह उन राज्यों के साथ अन्याय होगा, जिन्होंने अपने यहां आबादी का बढना् रोका। उन्होंने अच्छा काम किया इसके लिए उनको सजा नहीं दी जानी चाहिए।अगर सरकार पारंपरिक रूप से आबादी को आधार बनाती है और औसतन 20 लाख की आबादी पर एक सीट का फॉर्मूला तय होता है तो दक्षिण के ज्यादातर राज्यों में सीटों में कोई बदलाव नहीं होगा, जबकि उत्तर प्रदेश में सीटों की संख्या 80 से बढ़ कर 120 हो जाएगी। बिहार में 40 से बढ़ कर 70 हो जाएगी। सोचें, इससे इन राज्यों की राजनीतिक हैसियत कितनी बढ़ जाएगी?

-अजीत द्विवेदी-

पटाखों के चलते हिंसा और हत्या

इस दीपावली पर पटाखे के कारण देश में जो कुछ हुआ हैं, उनमें से ज्यादातर में हिन्दू बनाम हिन्दू का मामला है। और निष्कर्ष है कि पटाखों के चलते हिंसा और हत्या के ज्यादातर मामलों में, लड़ाई हिन्दू बनाम हिन्दू की है। कोई 8वीं पास विद्यार्थी भी इंटरनेट पर ये सारे सबूत देख सकता है। यानी कि पटाखों ने हिन्दुओं को आपस में ही बँटने पर मजबूर कर दिया है। हालांकि यह भी सच है कि धर्म विरोधी का तमगा मिल जाने के डर से अधिकाँश लोग इस सबको चुपचाप सह लेते हैं।दूसरी बात यह है कि पटाखे के विरोध में गाँव-गाँव और मोहल्ले-मोहल्ले में हो रहे भयंकर विरोध और हिंसा के तमाम मामले थाने और मीडिया तक पहुँचते ही नहीं हैं। धर्म, परंपरा और उत्सव की आड़ में गुंडागर्दी और अराजकता है। और यह देशहित में नहीं है।कड़वा सच है कि दीपावली का पटाखा हिन्दुओं को हिन्दुओं से लड़ाने का माध्यम बन गया है। उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में पुलिस और प्रशासन की जानकारी में ऐसे सैकड़ों मामले हैं जहाँ पर पर्व की आड़ में पटाखे का इस्तेमाल अपने दुश्मनों को सताने और हत्या करने में किया जा रहा है। पटाखे के कारण खुशियों का त्योहार नफरत, हिंसा और मातम का त्योहार बन गया है।विदेशों में हरियाली का प्रतिशत बहुत ज्यादा होता है और यह हरियाली, आतिशबाजी के शोर और धुंए को सोख लेती है। साथ ही विदेशों में पटाखा फोडने् के लिए एक बड़ा मैदान होता है जहाँ फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी तैयार रहती है। भारत देश में भी बड़े लोगों के घर के पास आप पटाखा नहीं फोड़ सकते, मगर आम आदमी के साथ,आये दिन कभी धर्म की आड़ में डी.जे. तो कभी पटाखे की ऐसी गुंडागर्दी होती ही रहती है और धार्मिक' मामला बताकर पुलिस पल्ला झाड़ लेती है।फिर पुलिस के मूकदर्शक बनने के बाद अपनी और अपने परिवार के सदस्य की जान बचाने के लिए जो भी आदमी, जानलेवा पटाखे का विरोध करता है, उसको धर्म विरोधी कह कर मार दिया जाता है मानो कि पटाखे से लोहवान, गुग्गुलु और चंदन की दिव्य महक आती हो। यह गुंडागर्दी बंद होनी चाहिए।इसलिए सरकार को चाहिए कि वह आम जनता के साथ ही कोर्ट को बताए कि

जिस आतिशबाजी के कारण हर साल अरबों रुपये की संपत्ति आग में स्वाहा हो जाती है, जिस आतिशबाजी के चलते बेजुबान जानवरों की जान खतरे में पड़ जाती है, जिस आतिशबाजी के कारण देश भर के करोड़ों अस्थमा मरीज तड़पड़ाते हैं, जिस पटाखे के कारण लोग अपनी आँख की रोशनी और सुनने की क्षमता खो दे रहे हैं, जिस पटाखे के शोर और धुएं को रोकने की लड़ाई में लोग आपस में मर-कट कर पुलिस और कोर्ट का बोझ बढ़ा रहे हों, वह पटाखा किसी भी धर्म और परम्परा का हिस्सा नहीं हो सकता।पटाखे पूरी तरह से बंद हो। ना तो शादी-विवाह में, ना दीपावली-होली पर, ना ईद-बारावफात में और ना ही क्रिसमस-नए साल पर। 1947 से पहले और फिर 1947 से 2024 तक क्या हुआ, इसकी चर्चा में समय नहीं गँवा कर, व्यापक जनहित में अभी से पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की सख्त जरुरत है। बारूद की गंध फैलाने का कार्य बंद होना चाहिए और बिना किसी धार्मिक भेदभाव के, साल के 365 दिन, पटाखों पर राष्ट्व्यापी प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। किसी भी सभ्य समाज में पटाखों का कोई स्थान नहीं है और बारूदी दुर्गंध फैलाने वाले पटाखों के उत्पादन और बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगाना ही एकमात्र विकल्प है। ना रहेगा बाँस और ना बजेगी बाँसुरी।00इस दीपावली पर पटाखे के कारण देश में जो कुछ हुआ हैं, उनमें से ज्यादातर में हिन्दू बनाम हिन्दू का मामला है। और निष्कर्ष है कि पटाखों के चलते हिंसा और हत्या के ज्यादातर मामलों में, लड़ाई हिन्दू बनाम हिन्दू की है। कोई 8वीं पास विद्यार्थी भी इंटरनेट पर ये सारे सबूत देख सकता है। यानी कि पटाखों ने हिन्दुओं को आपस में ही बँटने पर मजबूर कर दिया है। हालांकि यह भी सच है कि धर्म विरोधी का तमगा मिल जाने के डर से अधिकाँश लोग इस सबको चुपचाप सह लेते हैं।दूसरी बात यह है कि पटाखे के विरोध में गाँव-गाँव और मोहल्ले-मोहल्ले में हो रहे भयंकर विरोध और हिंसा के तमाम मामले थाने और मीडिया तक पहुँचते ही नहीं हैं। धर्म, परंपरा और उत्सव की आड़ में गुंडागर्दी और अराजकता है। और यह देशहित में नहीं है।कड़वा सच है कि दीपावली का पटाखा हिन्दुओं को हिन्दुओं से लड़ाने का माध्यम बन गया है। उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में पुलिस और प्रशासन की जानकारी में ऐसे सैकड़ों मामले हैं जहाँ पर पर्व की आड़ में पटाखे का इस्तेमाल अपने दुश्मनों को सताने और हत्या करने में किया जा रहा है। पटाखे के कारण खुशियों का त्योहार नफरत, हिंसा और मातम का त्योहार बन गया है।

-चेतन उपाध्याय-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

कविता
कदम आगे बढ़ाना होगा

घटती-घटना
श्याम सुंदर साहू
राजिम,गरियाबंद,छत्तीसगढ़

कदम आगे बढ़ाना होगा
आसमान में उड़ना है तो,
पंखों को फैलाना होगा।
मुकाम हासिल करना है तो,
कदम आगे बढ़ाना होगा।।
मुश्किलों से लड़कर,
रास्ता खुद बनाना होगा।
लक्ष्य का संधान कर,
कदम आगे बढ़ाना होगा।।
उम्मीदो के चिरागों से,
अंधेरे को मिटाना होगा।
पक्के व मजबूत इरादों से,
कदम आगे बढ़ाना होगा।।
दृढ़ संकल्पित होकर,
मंजिल को पाना होगा।
बाधाओं को पार कर,
कदम आगे बढ़ाना होगा।।
चुनौतियों से लड़कर,
हौसले को बढ़ाना होगा
हर ठोकर से सीख कर,
कदम आगे बढ़ाना होगा।।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

कांच ही बांस के बहंगिया..छठ गीतों से गूंजते रहे घाट

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

लोक आस्था का महापर्व छठ जिला मुख्यालय अंबिकापुर सहित पूरे संभाग में हर्षोल्लास के साथ गुरुवार को मनाया गया। शाम को व्रतियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। छठ घाटों में इस दौरान मेले जैसा माहौल नजर आया। सडक़ों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कई श्रद्धालु अपने घर से दंडवत देते हुए छठ घाटों तक पहुंचे। इस दौरान परिवार के लोग भी उपस्थित थे। छठ घाट पर पहुंचने के बाद व्रतियों ने नदी तालाबों और जलाशयों में उतर कर स्नान किया। इसके बाद पानी में ही खड़े होकर श्रद्धालुओं ने दोनों हाथ से प्रसाद से भरे सूप से अस्ताचलगामी को अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान परिवार के लोगों ने लोटा में पानी और दूध से व्रतियों को अर्घ्य दिलाया। अर्घ्य अर्पित करने का सिलसिला सूर्यास्त होते तक चलता रहा।

लोक आस्था का महापर्व छठ यूपी, बिहार,झारखंड के साथ-साथ पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। अंबिकापुर में भी छठ करने वालों की संख्या प्रतिवर्ष बढ़ती जा रही है। छठ व्रतियों की लगातार बढ़ रही संख्या को देखते हुए लगभग हर मोहल्लों में छठ घाट बनाए गए हैं। शहर के प्रमुख शंकर घाट स्थित छठ घाट में प्रतिवर्ष काफी संख्या में श्रद्धालु छठ करने पहुंचते हैं। यहां महामाया छठ पूजा सेवा समिति द्वारा पूरी तैयारी की गई थी। समिति द्वारा व्रतियों की सुविधा को देखते हुए टेंट पंडाल सहित अन्य सुविधाएं प्रदान की गईं थीं। इसी तरह शहर से लगे घुनघुट्ठा नदी तट पर श्याम घुनघुट्ठा छठ सेवा समिति द्वारा व्यापक तैयारी की गई थी। यहां शहर के अलावा आसपास के ग्रामीण क्षेत्र से भी काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। व्रतियों को यहां स्नान करने के लिए शुद्ध जल व पर्याप्त जगह काफी पसंद आई। शहर के शंकर घाट के अलावा मौलवी बांध, मैरीन ड्राइव तालाब, सतीपारा तालाब, जेल तालाब, खैरबार नहरपारा, गोधनपुर तालाब, खर्रा स्थित घाटों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था।

नंगे पैर,सिर पर दउरा और छठी मैया के गूंजते रहे गीत

अर्घ्य के लिए दोपहर करीब तीन बजे से ही सडक़ों एवं गलियों में व्रतियों की भीड़ दिखने लगी। महिलाएं छठी मइया का गीत गाते व पुरुष सिर में सूपा व दउरा रख नंगे पैर घाट की ओर रवाना हुए। जैसे-जैसे शाम होती गई, व्रतियों की भीड़ बढ़ती गई। व्रतियों की सुविधा के लिए सडक़ों से लेकर घाटों तक विशेष व्यवस्था की गई थी। व्रतियों को परेशानियों से बचाने के लिए सडक़ों की साफ-सफाई हुई थी। छठ घाटों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने डूबते भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य दिया।

आज सुबह उगते सूर्य को देंगे अर्घ्य

शुक्रवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व 36 घंटे के कठिन उपवास का भी समापन होगा। शाम को अर्घ्य देने के बाद कई छठ व्रती पूरी रात घाट पर ही रुके, जबकि और लोग अपने-अपने घर वापस चले गए थे।

सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था

छठ घाटों पर सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस मुस्तैद रही। सबसे ज्यादा भीड़ शंकरघाट में देखने को मिली। यहां पुलिस द्वारा काली मंदिर के पास मोटरसाइकिल की पार्किंग एवं संजय पार्क बैरियर से तकिया मोड़ तक चार पहिया वाहनों को रोक दिया गया था।

दंडवत देते हुए पहुंचे छठ घाट

छठ व्रत अटूट आस्था का पर्व है। मान्यता है कि छठ व्रत करने पर लोगों की सारी मन्नतें पूर्ण होतीं हैं। ऐसे में श्रद्धाल अपने घर से ही दंडवत देते हुए छठ घाटों तक पहुंचे।

बिन ब्याही गूंगी युवती बनी मां

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

बलरामपुर-रामानुजगंज जिला के कुसमी थाना क्षेत्र की एक अविवाहित,गूंगी युवती ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में बच्ची को जन्म दिया। युवती के द्वारा जन्म दिए गए बच्ची का पिता कौन है, इससे स्वजन अनजान हैं। इसकी जानकारी अस्पताल के पुलिस सहायता केन्द्र में दी गई है। बिना ब्याही मां के स्वजन का कहना है कि परिवार के सदस्य रोजाना मजदूरी करने के लिए चले जाते हैं, इसके बाद घर में 27 वर्षीय गूंगी युवती अकेले रहती थी। इनके द्वारा संभावना व्यक्त की जा रही है कि लड़की की विवशता का फायदा उठाकर किसी ने उसे हवस का शिकार बनाया है। फूलते पेट पर जब घर के बड़े सदस्यों की नजर पड़ी तो वे उससे पूछताछ करने का प्रयास किए,लेकिन इशारों में वह क्या बताना चाह रही थी, इसे समझ नहीं पाए। कुसमी स्वास्थ्य केन्द्र लाने पर जांच के बाद चिकित्सक से उसके गर्भवती होने की जानकारी मिली। प्रसव पीड़ा बढ़ने पर वे युवती को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां वह बच्ची को जन्म दी। जन्म ली बच्ची के पिता का पता नहीं चल पाने से स्वजन चिंतित हैं। पुलिस अग्रिम वैधानिक कार्रवाई के लिए युवती के स्वजन से पूछताछ की है।

कॉलेज रोड में बस मुरूम डालकर...खानापूर्ति, रोड हुई और बद से बदत्तर...जिम्मेदार कौन ?

-सोनू कश्यप-
प्रतापपुर,07 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

प्रतापपुर शासकीय कालिदास महाविद्यालय कॉलेज रोड का स्थिति हुआ भारी खराब पूर्व में भी भाजपा और कांग्रेस के कैबिनेट मंत्री रहने पर भी आज तक नहीं बन पाई सही तरीके से सड़क,बड़े-बड़े क्षेत्र में विकास के दावा करने वाले क्षेत्रीय विधायक व मंत्रियों का शासन काल का खुल रहा पोल कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं हो रहे आक्रोशित व दुर्घटना का शिकार काफी धूल भरी मार्ग हो चुकी चुकी है बद से बत्तर जिसको लेकर,कई बार कॉलेज छात्रों ने प्रशासन को ज्ञापन दिया है,

रोड में मुरूम डाल करके लोगों को संतुष्टि करने की कोशिश की गई। इसके बावजूद भी सवाल उठता है क्या मुरम से धूल उड़ने बंद हो जाएंगे छात्रों के कपड़े गंदे नहीं होंगे, आखिर कब तक,ऐसे ही परेशानियों का सामना करना पड़ेगा, काश कि क्षेत्र के दौर में पहुंचे कुछ हफ्ते पूर्व छत्तीसगढ़ शासन के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का हेलीकॉप्टर लैंडिंग कॉलेज ग्राउंड प्रतापपुर में होने वाला था

जिसको आनन-फानन में अधिकारी अपने ऊपर लगे हुए दागों को मिटाने के लिए मुरूम मिट्टी डलवा कर गड्ढों को छुपाने का प्रयास किया हालांकि मुख्यमंत्री के लैंडिंग उक्त स्थान पर नहीं हो पाई आम जनता ने कहा कि कम से कम यह आधा अधूरा सड़क अगर मुख्यमंत्री आ जाते तो यह बन जाता तो बन जाता,करीब 3 दशकों से अपने सड़क की अस्तित्व के लिए लड़ रहा महाविद्यालय सड़क विहीन हो गया है। महज 500 मीटर की यह सड़क बनाने में आज तक शासन प्रशासन सहित भाजपा कांग्रेस के जो दिग्गज मंत्री रह चुके वह भी अपने शासनकाल में नहीं बना सके, ना किसी विधायक का नजर पड़ता है ना किसी मंत्री को कॉलेज के छात्राओं सहित ग्रामीणों का चिंता है। ना जनता का दर्द देखा जाता है।

सिलौटा ग्राउंड में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी आए थे,उनका हेलीकॉप्टर कॉलेज ग्राउंड में उतरने की जानकारी थी जिसके वजह से रोड को बनाने की जो कवायद शुरू की गई थी,वो कम अब ठंडे बस्ते में चली गई है।

काश कि साय सरकार की हेलीकॉप्टर यही लैंडिंग कर देता तो कम से कम रोड तो बन जाता, उसी बहाने छात्रों को व आसपास के लोगों को व प्रतापपुर वासियों को तो ,इसका फायदा मिलता, लोगों को इसी बात का मलाल है कि काश के मुख्यमंत्री जी का हेलीकॉप्टर कॉलेज ग्राउंड में ही उतरता कम से कम रोड तो चमचमाती हुई मिल जाती न जाने अब कब मुख्यमंत्री जी यहां उतरेंगे और यह रोड बनेगी आखिर यह रोड कब बनकर तैयार होगी। कई बार छात्र-छात्राओं द्वारा शासन प्रशासन को सड़क बनाने का मांगों को लेकर ज्ञापन सोपा गया मगर इस और आज तक किसी विधायक या मंत्री ने इस पर पहल नहीं किया। विकास के बड़े-बड़े दावा करने वाले सरकार आते और बदलते रह गए मगर महाविद्यालय का सड़क जैसा का तैसा आज तक पढ़ा हुआ है। महज 500 मीटर की यह सड़क प्रतापपुर के ऊपर बदनुमा दाग के जैसा हो गया है। और देखना यह होगा कि इस सड़क निर्माण में कौन जनप्रतिनिधि या नेता आकर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित ग्रामीणों का समस्या को सुनता है।

जिले के मुखिया निवास के सामने अजीब खम्भा, हैरान कर देने वाली, सभी त्योहार बीत चुका लेकिन नहीं हुआ ठीक,विकास की पोल खलता यह खंभा

- संवाददाता -
बलरामपुर,07 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जिले में एक एसा तस्वीर आपको देखने को मिलेगा जहां एक जिला कलेक्टर के निवास करते हैं वही पर आज भी डिवाइडर पर लगे सट्रीक लाईट का खंभा है जो कई महीने पूर्व में आधा गिर चुका है लेकिन वह आज भी सीधा नहीं हुआ, एक साईड का लाईट भी खराब हो चुका है वही कई गौरव पथ में लगे स्टीक लाईट भी खराब हो चुका है लेकिन रिपेयर करने वाला कोई नहीं । एक तरफ पूरे छत्तीसगढ़ में राज्य उत्सव मनाया जा चुका है। और कई बार जिले के मुखिया ने सभी विभाग को निर्देशित भी किया जा चुका है की सभी शासकीय कार्यालयों मे लाईट से सजाया जाए ।

लेकिन दिपावली भी बित गया 1 नवंबर को छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस

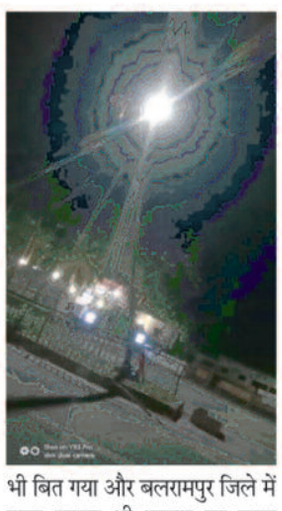

भी बित गया और बलरामपुर जिले में राज्य उत्सव भी मनाया जा चुका लेकिन एक गौरव पथ में लगे स्टीक लाईट को नहीं सुधारा गया।

वही कलेक्टर निवास से 200 मीटर की दूरी पर टावर लाईट भी खराब कफी लंबे समय से खराब पड़ा हुआ है लेकिन किसी तरह के जिमेदार अधिकारियों को ध्यान नहीं है। जो की दीपावली के समय सभी टूटा हुआ सम्मान को बदल दिया जाता है। नया सम्मान खरीदकर लगाया जाता है।

सुत्रो के मुताबिक यह जानकारी मिला था की बलरामपुर जिला कलेक्टर ने संबधित विभाग के जिमेदार अधिकारी को निर्देशित भी किया जा चुका था लेकिन आज भी जस के तस वही हालात बना हुआ है गौरव पथ रोड मे लगे डिवाइडर तथा स्टिक लाईट का।

ऐसे में साफ जाहीर होता है की संबधित विभाग के अधिकारी कलेक्टर से डरते नहीं है, या तो फिर समस्याओ की जानकारी मिलने के बाद, विभाग जिमेदार अधिकारी को निर्देशित भी करते है उसे जिमेदार विभाग के द्वारा अनदेखा किया जाता है।

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर ग्राम पंचायत बंशीपुर में 08 नवंबर को

- संवाददाता -
सूरजपुर,07 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत बंशीपुर में 08 नवंबर को प्रातः 11 बजे से जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन ने सभी अधिकारियों को आवश्यक तैयारी करने और समय पर शिविर स्थल में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने अधिक से अधिक संख्या में लोगो को शिविर में पहुंचकर लाभ उठाने के लिए कहा है। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू ने बताया कि शिविर में आमजनों की समस्याओं के निराकरण के साथ विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल भी लगाया जाएगा। इस दौरान अधिकारियों द्वारा आमजनों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी और हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा। शिविर में आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, आधार कार्ड भी बनाया जाएगा। इसके अलावा विभिन्न समस्याओं एवं मांगो से संबंधित आवेदन लिए जाएंगे।

वर्क फ्राम होम के नाम पर 95,780 रुपये की ठगी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

वर्क फ्राम होम के नाम पर शहर का एक व्यक्ति 95 हजार 780 रुपये की ठगी का शिकार हो गया। रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात ठग के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। महामाया मंदिर के पास रहने वाले शिवशंकर चैहान पिता उखमल राम 49 वर्ष ने कोतवाली पुलिस को बताया है कि बीते 29 अक्टूबर को ऑनलाइन वर्क फ्राम होम के तहत नियमित रोजगार देने का झांसा देकर अनजान मोबाइल नम्बर के धारक ने व्हाट्सएप एवं टेलीग्राम से चेटिंग करके अलग-अलग किस्त में 5000 रुपये, 25 हजार 300 रुपये, 65 हजार 480 रुपये ट्रांजेक्शन किया गया। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है और अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

कीटनाशक का सेवन किए अधेड़ की इलाज के दौरान मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिला के राजपुर थाना अंतर्गत ग्राम धंधापुर में दिमागी रूप से कमजोर अधेड़ अज्ञात कारणों से कीटनाशक का सेवन कर लिया, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक धंधापुर निवासी जवाहिर पिता स्व. धनीराम कंवर शराब पीने का आदी था। तीन वर्ष से उसकी दिमागी हालत भी ठीक नहीं थी। 31 अक्टूबर को दिन में करीब 10.30 बजे वह शराब के नशे में कीटनाशक का सेवन कर लिया था। स्वजनों के द्वारा पूछताछ करने के बाद भी कुछ नहीं बताया। स्वजन निजी वाहन से उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान 7 नवम्बर को सुबह 6.45 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है।

हम सभी ध्यान दें तो क्षेत्र को बहुत जल्दी बना सकते हैं बाल विवाह मुक्तः मनोज जायसवाल

» रामानुजनगर में सचिवों और रोजगार सहायकों की कार्यशाला

- संवाददाता -
सूरजपुर,07 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जिला कलेक्टर एस.जयवर्धन के निर्देश व जिला कार्यक्रम अधिकारी रमेश साहू के मार्गदर्शन में जिले को बाल विवाह मुक्त करने हेतू जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल के नेतृत्व में टीम सक्रिय है,इसी क्रम में आज रामानुजनगर में विकास खण्ड के समस्त सचिव और रोजगार सहायकों को उनके कार्य दायित्व के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गई। जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल ने

बताया कि एन.एफ.एच.एस. के सर्वे के अनुसार छ. ग. मे सूरजपुर में सबसे ज्यादा 34न विवाह बाल विवाह होते हैं जो चिन्ता का विषय है।इस कलंक से मुक्ति हेतु आप सभी के सहयोग की आवश्यकता है,सभी सचिव अपने ग्राम पंचायत मे विवाह पंजी का संधारण अनिवार्यतः करें गाँव में होने वाले सभी विवाहों का पंजीयन करें एवं वर कन्या के उम्र सम्बन्धित दस्तावेजों का परीक्षण करें यदि उम्र कम पाया जाता है तो उसकी सूचना टोल फ्री 1098,181,112 या परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षक को दें बाल विवाह एक सामाजिक बुराई ही नहीं बल्कि एक अपराध भी है बाल विवाह करने पर बाल विवाह करने वाले, अनुमित देने वाले एवं सामिल होने वाले सभी अपराधी होते हैं बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम में 2 वर्ष की सजा एवं 1 लाख रुपये का जुर्माना का प्रावधान है सभी अभी अपने अपने गाँव मे इस संबंध मे जागरूकता लाएं ताकि सूरजपुर जिले को बाल विवाह मुक्त जिला बनाएं कार्यशाला में बाल श्रम, पॉक्सो, गुड टच बेड टच,मानव तस्करी, नशा मुक्ति एवं बाल संरक्षण के संबंधित अन्य विषयों की जानकारी दी गई ।कार्यक्रम मे सभी को बाक विवाह मुक्त गाँव बनाने का शपथ दिलाया गया ।

कार्यक्रम मे जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल, जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संजय राय सामाजिक कार्यकर्ता अंजनी साहू चाइल्ड लाइन से जनार्दन यादव एवं रमेश साहू उपस्थित थे।

ओवर ब्लीडिंग पर नर्स ने परिजनों से कराई वार्ड की धुलाई...होगी जांच

- संवाददाता -
बलरामपुर,07 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरकार जहां संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है, वहीं अस्पतालों में तैनात स्टाफ की लापरवाही इन प्रयासों पर पानी फेरती नजर आ रही है। वाड्रफ नगर सिविल अस्पताल में हाल ही में एक ऐसा मामला सामने आया,जहां प्रसूता के प्रसव के बाद उसके परिजनों से वार्ड की धुलाई कराई गई।

जानकारी के अनुसार,गैना गांव की एक गर्भवती महिला प्रसव के लिए वाड्रफनगर सिविल अस्पताल आई थी। प्रसव के दौरान ओवर ब्लीडिंग होने लगी,जिससे वहां मौजूद ड्यूटी नर्स ने गुस्से में आकर महिला के परिजनों से पूरे प्रसव वार्ड की धुलाई करवाई। सवाल यह उठता है कि जब अस्पताल में सफाई कर्मियों का पूरा अमला मौजूद है, तो प्रसूता के परिजनों से इस तरह का काम क्यों करवाया गया?

बीएमओ शशांक गुप्ता ने परिजनों की शिकायत और मीडिया में खबर आने के बाद मामले की जांच कराने की बात कही है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि दोषी पाए जाने पर संबंधित स्टाफ नर्स के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने किया जिला अस्पताल का निरीक्षण

- संवाददाता -
सूरजपुर,07 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एस.जयवर्धन ने गुरुवार को जिला अस्पताल सूरजपुर का अचौक निरीक्षण किया । जहां उन्होंने समस्त वार्डो का मुआयना कर वार्डो की साफ-सफाई व अस्पताल परिसर की सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। डी एच लैब को जल्द से जल्द चालू करने , डॉक्टर एवं अन्य स्टाफ को समय पर ड्यूटी में उपस्थित रहने की बात कही। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ के डी पैकरा को चिकित्सा सेवा में विस्तार हेतु आवश्यक दिशा निर्देश निर्देश दिए। मरीजों को समय पर इलाज की सुविधा मिल सके, दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित हो इस पर विशेष ध्यान देने की बात कही। जिला अस्पताल परिसर में डामरीकरण सड़क को जल्द से जल्द पूर्ण कराने के निर्देश दिए है। उक्त निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ के डी पैकरा ,सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ अजय मरकाम, संजय सिन्हा एवं अन्य स्टाफ उपस्थित थे।

कुसमी में धुमधाम से मनाया जा रहा है छठ महापर्व सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैंकरा भी हुई शामिल लिया छठ मां का आर्शीवाद

- संवाददाता -
कुसमी,07 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के कुसमी में धुमधाम से उत्साह के साथ मनाया जा रहा है छठ का महापर्व जहाँ व्रतीयों ने गुरुवार की शाम को भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया है। तो वही सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैंकरा भी छठ घाट पहुच कर सभी लोगो को घठ महापर्व की शुभकानाएं दी साथ हि व्रतीयों के सुप में अपनी ओर से नारियद प्रसाद चढ़ा कर छठ माता का आर्शीवाद भी लिया है,वहीं विधायक व्रतीयों के बीच जाकर बैठी जिससे लोगो में विधायक का व्यवहार परिवार के सदस्य जैसा हि लोगो को लगा सभी व्रत करने वाले लोगो से घुल मिलकर विधायक ने फोटो भी खिंचाया, मानो लोगो को यह संदेश देने जैसा हो की इस उत्साह के छठ महापर्व में वे अपनी जनता के साथ है। गौरतलब है हि इस बार शासन-प्रशासन भी आस्था के इस महापर्व में किसी तरह की परेशानी लोगो को न हो उसे ध्यान में रखकर कार्य किया है छठ घाट की साज सज्जा साफ सफाई सुरक्षा व्यवस्था पर प्रशासन ने अच्छा काम किया है।बहरहाल कुसमी में आस्था के इस महापर्व में लोगो कि आस्था हर वर्ष बढ़ती हि जा रही है कुसमी कि अगर बात की जाये तो पिछले कुछ साल पहले घाट में व्रत करने वालो कि संख्या कम होती थी लेकिन धिरे-धिरे लोगों की आस्था भगवान सूर्य और छठ मॉ के प्रति बढी है जिससे कि छठ घाट में व्रत करने वाले व्रतीयों की संख्या अब काफी बढ़ चुकी है।

महिला को बलात्कार व हत्या की दी धमकी,रिपोर्ट दर्ज कराने आते समय थाने तक किया पीछा...

» थाना परिसर में महिला घुसी तो आरोपी हुआ फरार,पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की शुरु की जांच

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 07 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना क्षेत्र की एक महिला को उसके ही गांव के एक व्यक्ति द्वारा बलात्कार व हत्या करने की धमकी दी जा रही थी। वह आए दिन महिला को धमका रहा था। इससे वह डरी हुई थी। 5 नवंबर को भी उसने महिला को धमकी दी तो महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने का मन बना लिया। जब वह स्कूटी से थाने आ रही थी तो आरोपी ने उसका पीछा किया। जब महिला थाने में घुसी तो आरोपी भाग निकला। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है

महिला ने पुलिस को बताया है कि कृष्णा विश्वास पिता नेपाल विश्वास 45 वर्ष बीते एक माह से लगातार घर आकर बलात्कार व हत्या करने की धमकी दे रहा है। इससे महिला डरी हुई थी। 5 नवंबर को आरोपी पुनः मोबाइल पर कॉल कर उसे धमकी दे रहा था।

इससे परेशान होकर वह गांधीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने आ रही थी। इस दौरान आरोपी ने उसका थाने तक पीछा किया। जब वह अपनी स्कूटी को थाना परिसर के भीतर ले गई तो आरोपी वहां से भाग गया।

पुलिस ने दर्ज किया अपराध

महिला ने अनहोनी की संभावना व्यक्त करते हुए घटनाक्रम से पुलिस को अवगत कराया है। महिला की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है।

कृषि मंत्री और सरगुजा सांसद ने दी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं...क्षेत्र के लोगों की सुख समृद्धि की कामना की

- संवाददाता -
बलरामपुर,07 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के रामानुजगंज में सूर्य उपासना के महापर्व छठ की धूमधाम देखने को मिल रही है। जिले के कन्हर नदी तट पर श्रद्धालु परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार एकत्रित होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य दे रहे हैं। इस पावन अवसर पर प्रदेश के कृषि मंत्री रामविचार नेताम और सरगुजा सांसद चिंतामणी महराज ने भी पहुंचकर छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया और उन्हें पर्व की शुभकामनाएं दीं।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने छठ पर्व के महत्व और इसकी उत्पत्ति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि छठ पूजा की शुरुआत बिहार से हुई थी,लेकिन समय के साथ यह पर्व झारखंड, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे अन्य राज्यों में भी लोकप्रिय हो गया है। मंत्री ने छठ को आस्था और एकता का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह पर्व समाज में भाईचारे और शांति का संदेश फैलाता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को छठ पर्व की शुभकामनाएं देते हुए उनके लिए सुख-समृद्धि की कामना की।

सरगुजा सांसद चिंतामणी महराज ने भी इस अवसर पर छठ पर्व की महत्ता पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि सूर्य उपासना का यह पर्व न केवल धार्मिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी विशेष महत्व रखता है। छठ पर्व का व्रत अत्यंत कठिन होता है, जिसमें व्रती निर्जला उपवास रखते हैं और विशेष नियमों का पालन करते हैं। उन्होंने रामानुजगंज की कन्हर नदी की भी चर्चा की, जो कि उत्तरमुखी बहती है और इसे गंगा के समान पवित्र माना जाता है। उन्होंने कहा कि इस स्थान पर सूर्य को अर्घ्य देने से विशेष पुण्य प्राप्त होता है, जो श्रद्धालुओं की मनोकामनाओं की पूर्ति में सहायक होता है।

छठ पर्व का धार्मिक और सामाजिक महत्व छठ पर्व को आस्था और शक्ति का पर्व माना जाता है। इसमें व्रती अपने परिवार और समाज की खुशहाली की कामना के साथ सूर्य देवता की आराधना करते हैं। यह पर्व न केवल धार्मिक उत्सव है बल्कि सामाजिक एकता और सामुदायिक सद्भाव का भी प्रतीक है। इस अवसर पर समाज के सभी वर्गों के लोग मिलकर पर्व को धूमधाम से मनाते हैं। बलरामपुर जिले रामानुजगंज के कन्हर नदी तट पर श्रद्धालुओं का हुजूम इस एकता और सामूहिकता का उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है, जिसमें लोग परिवार समेत सूर्य को अर्घ्य देकर अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

रामानुजगंज में छठ पर्व की भव्यता कन्हर नदी तट पर देखने को मिल रही है। प्रदेश के कृषि मंत्री और सरगुजा सांसद की उपस्थिति ने इस आयोजन की गरिमा और भी बढ़ा दी है। दोनों नेताओं ने छठ व्रत के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था और समर्पण की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। छठ पर्व की यह परंपरा सामाजिक समरसता,सांस्कृतिक धरोहर और आस्था का अद्वितीय उदाहरण है, जो समाज में एकता और प्रेम का संदेश फैलाती है।

दवनकरा समिति प्रबंधक पर किसानों का गंभीर आरोपःफर्जी आहरण कर लाखों का किया घोटाला...कार्रवाई न होने से प्रशासन के प्रति आक्रोश...

» विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन,निष्पक्ष जांच की मांग

- संवाददाता -
प्रतापपुर,07 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति दवनकरा के समिति प्रबंधक संतोष नाविक पर किसानों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। किसानों का कहना है कि संतोष नाविक ने कई किसानों के फर्जी हस्ताक्षर कर उनके खातों से लाखों रुपये का गमन किया है, लेकिन अब तक इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इससे किसानों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त हो गया है।

किसानों का आरोपःफर्जी हस्ताक्षर से हुआ लाखों का गमन

ज्ञापन में किसानों ने आरोप लगाया है कि समिति प्रबंधक संतोष नाविक ने ग्राम पंचायत सेमराखुर्द के किसान राजाराम और बृजमोहन के नाम से धान बिक्री से संबंधित कुल 154,500 रुपये की राशि को फर्जी हस्ताक्षर कर बैंक से निकाल लिया। इस मामले की शिकायत चन्दौरा पुलिस थाना में की गई, और एफआईआर भी दर्ज की गई, लेकिन पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। इससे किसान बेहद निराश और परेशान हैं।

साथ ही,ग्राम पंचायत केंवरा के किसान मंगलसाय के नाम से सहकारी बैंक प्रतापपुर से 106,250 रुपये का कर्ज निकाले जाने का भी आरोप लगाया गया है। हालांकि, शिकायत के कुछ समय बाद उक्त कर्ज राशि किसान के खाते में वापस जमा कर दी गई, लेकिन इससे किसानों का विश्वास प्रशासन और बैंकिंग प्रणाली से उठ गया है।

खाद वितरण में भी हुआ घोटाला, किसानों से की गई अवैध वसूली

किसानों का कहना है कि संतोष नाविक ने खाद वितरण के दौरान भी फर्जीवाड़ा किया। उन्होंने किसानों से शेयर के नाम पर पैसे वसूले, लेकिन किसानों को कोई पावती नहीं दी गई। इस अवैध वसूली से किसानों को न केवल आर्थिक नुकसान हुआ बल्कि उनका विश्वास भी प्रशासन और समिति पर से उठने लगा।

फर्जी धान बिक्री और अन्य आरोप

ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि वर्ष 2019-20 में समिति प्रबंधक ने अपने नाम पर करीब 119 क्विंटल धान फर्जी तरीके से बेच दिया था। इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री जनदर्शन में की गई थी और जांच के दौरान यह आरोप सही पाए गए थे, लेकिन फिर भी अब तक कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई। इसके अलावा, इफको और यूरिया खाद वितरण में भी बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा किया गया है, लेकिन विभाग के उच्चाधिकारी की मिलीभगत से मामले को रफादफा कर दिया गया।

किसानों का कहना है कि यदि निष्पक्ष जांच की जाती है तो करोड़ों रुपये के घोटाले का खुलासा हो सकता है।

किसान चाहते हैं समिति प्रबंधक की बर्खास्तगी

किसान अब आंदोलन की धमकी दे रहे हैं और समिति प्रबंधक संतोष नाविक को तत्काल हटाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि यदि समिति प्रबंधक को हटाया नहीं गया और मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो वे बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। 2024-25 के धान खरीदी सत्र की शुरुआत में किसान पहले ही कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं, और ऐसे में अगर संतोष नाविक समिति में बने रहे तो उन्हें और अधिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

कलेक्टर से निष्पक्ष जांच की अपील

ज्ञापन में किसानों ने कलेक्टर से यह अपील की है कि वे इस मामले की निष्पक्ष जांच करवाएं और किसानों के साथ हो रहे शोषण को रोकने के लिए तुरंत कार्रवाई करें। किसानों का कहना है कि वे अपनी मेहनत की फसल का उचित मूल्य प्राप्त करने के हकदार हैं, और प्रशासन को उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए।

इस गंभीर मुद्दे को लेकर अब किसानों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है और वे संतोष नाविक के खिलाफ कार्रवाई की मांग में लगातार आवाज़ उठा रहे हैं। यदि प्रशासन ने इस पर जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाया, तो आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर बड़े आंदोलन की संभावना जताई जा रही है।

CMYK

क्या कांग्रेस शासनकाल में विधायक के निर्देश पर जानबूझकर जिपं उपाध्यक्ष

वेदांती को जिला प्रशासन द्वारा किया जाता था उपेक्षित ?

भाजपा शासनकाल में कांग्रेस नेता होने के बावजूद आमंत्रण कार्ड में वेदांती तिवारी का नाम छपा होना तो यही बताता है...

तत्कालीन विधायक अपने ही दल के लोगों नेताओं को करती थीं उपेक्षित जिला प्रशासन से भी उपेक्षा का करवाती थीं प्रयास...यह स्पष्ट हुआ...!

-रवि सिंह-
कोरिया,07 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले में पांच वर्ष कांग्रेस शासनकाल का भी लोगों ने देखा और अब पुनः भाजपा का शासनकाल लोग देख रहे हैं जिसमे वह अंतर पा रहे हैं। यह अंतर जनप्रतिनिधियों के सम्मान को लेकर लोग देख-समझ पा रहे हैं। कांग्रेस शासनकाल में जनप्रतिनिधियों का सम्मान न तो स्थानीय विधायक करती थीं न ही जिला प्रशासन से ही उन्हें सम्मान मिलता था और इसके पीछे की वजह यह थी कि कहीं न कहीं जिला प्रशासन स्थानीय तत्कालीन विधायक के निर्देश पर ऐसा करता था। वैसे यह हम नहीं कह रहे हैं यह जिला प्रशासन द्वारा राज्योत्सव 2024 के आयोजन के लिए प्रकाशित आमंत्रण कार्ड बता रहा है कि कांग्रेस शासनकाल में जनप्रतिनिधियों खासकर कांग्रेस पार्टी के ही अन्य जनप्रतिनिधियों जिसमे जिला जनपद के जनप्रतिनिधि शामिल थे कि उपेक्षा होती रहती थी और यह उपेक्षा उनकी विधायक बैकुंठपुर के निर्देश पर होती थी और कई शासकीय कार्यक्रमों में आमंत्रण कार्ड की बात हो या मंच पर प्रोटोकॉल की कांग्रेस के ही नेताओं का न नाम ही होता था न ही उनकी मंच पर जगह ही होती थी और विधायक का अन्य से द्वेषभावना साफ नजर आती थी वहीं सत्ता परिवर्तन होने उपरांत ही यह नजर आने लगा कि भाजपा में जहां भाजपा नेताओं के सम्मान का ध्यान रखा जा रहा है वहीं उन जनप्रतिनिधियों के भी सम्मान का ध्यान रखा जा रहा है जो दलीय रूप से कांग्रेस या अन्य दलों से जुड़े हैं और फिलहाल जिला जनपद में जिम्मेदार पदों पर आसीन हैं।

राज्योत्सव 2024 का आमंत्रण कार्ड जिला कोरिया का बताता है कि जिला प्रशासन ने सभी के सम्मान का ध्यान रखा है पक्ष विपक्ष सभी के वहीं स्थानीय विधायक ने कोई हस्तक्षेप नहीं किया है इस संदर्भ में जो नजर आता है और राजनीतिक सुचिता भी बताता है। वैसे पिछले पांच वर्ष की तुलना में जनप्रतिनिधियों का मान सम्मान बढ़ा है और विधायक से भी सभी प्रसन्न संतुष्ट हैं यह सुना देखा जा रहा है और यह भी माना जा रहा है कि पिछला पांच साल राजतंत्र था और अब पुनः लोकतंत्र की स्थापना हुई है और तानाशाही खत्म हुई है। वैसे वेदांती तिवारी जिला पंचायत उपाध्यक्ष के तारतम्य में भी यदि बात करें तो वह पांच साल पिछला शायद ही याद करना चाहेंगे जब उन्हें जिला पंचायत उपाध्यक्ष रहते हुए भी केवल विधायक के कारण जिला प्रशासन से उपेक्षित होना पड़ता था और मंच पर जगह बनाने के लिए पहले जमीन पर बैठकर विरोध दर्ज करना पड़ता था तब जाकर उन्हें मंच पर जगह मिल पाता था वहीं ऐसा एक दो बार नहीं कई बार उनके साथ हुआ जब उन्हें जिला प्रशासन ने विधायक के निर्देश पर उपेक्षित किया कार्यक्रमों में उनके नाम को वह क्रम या स्थान प्रदान नहीं किया जिस क्रम स्थान पर उनका नाम होना चाहिए था। वैसे भाजपा शासनकाल में जिला प्रशासन में भी एक बदलाव दिखने लगा है वह यह है कि अब द्वेष भाव का अभाव है और अब सभी का बराबर सम्मान जिले में हो रहा है वह पक्ष का हो या विपक्ष का।

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक केवरा भैंसामुण्डा में नहीं मिल रहा लोगों को पर्याप्त पैसा,लोग हुए परेशान

-संवाददाता-
प्रतापपुर,07 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

विकासखंड प्रतापपुर के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक केवरा भैंसामुण्डा सहित प्रतापपुर के कई बैंकों की स्थिति दयनीय है तीन दिनों से नहीं मिल रहा लोगों को पैसा लोग हैरान परेशान रोज बैंकों के चक्कर काट रहे ग्रामीण पैसों के इंतजार में सुबह से शाम तक बैंकों आस लगाए बैठे रहते हैं जरूरतमंद कि पैसा आएगा और हम लोग की परेशानी दूर होगी लेकिन बैंकों में सिर्फ आश्वासन के अलावा कुछ भी नहीं मिल पा रहा वही बैंक मैनेजर का कहना है कि पैसे जल्द आएगा व्यवस्था बहाल होगा लेकिन कब होगा साहब...? लोग सुन-सुन कर परेशान हो चुके अगर यही हाल रहा तो लोग बहुत जल्द सड़कों में उतरकर बड़ा आंदोलन करने को बाध्य होंगे लोग अपनी जरूरत को समय पर पूरा करने के लिए पैसों को बैंक में रखा करते हैं ताकि समय पर हमारा पैसा मिल सके और हम अपनी जरूरतें पूरी कर सके लेकिन कई दिनों से बैंकों के चक्कर काटने से लोगों को मायूसी व आश्वासन के अलावा कुछ नहीं जबकि शादी का सीजन चल रहा जिसमें लोगों को खरीदारी करनी होती हैं जिसमें पैसों की सख्त जरूरत पड़ती है और हो भी क्यों ना इसी दिन के लिए तो लोग अपने पैसे बैंकों में रखा करते हैं कि हमें जब जरूरत पड़ेगी तब हम जाकर अपने पैसे बैंक से निकाल कर अपनी काम निकाल सकते है लेकिन बैंकों में तो उल्टी गंगा बह रही तथा लोगों को इलाज करवाने तक के लिए चंद चंद पैसों के जूझना पड़ रहा ख़ास कर ज्यादा परेशानी बुजुर्ग को हो रही जो बैंकों के चक्कर काट काटकर मजबूर हो चुके है और किसानों को विभिन्न प्रकार की बीजों को लेने के लिए पैसे नहीं मिलने के कारण विभिन्न परेशानियां उत्पन्न हो रही हैं और इस कड़कती ठंड में पहनने के लिए स्वेटर शाल कंबल खरीदने के लिए पैसों की सख्त जरूरत पड़ती है लेकिन बैंकों में पैसे नहीं मिलने के कारण तरह तरह के परेशानिया उत्पन्न हो रही है जिससे ग्रामीणों में काफी आक्रोश देखने को मिल रहा ग्रामीणों का साफ साफ़ कहना है कि हमारा पैसा हमें ही नहीं मिल रहा जो चर्चा का विषय बना हुआ है इस और तो और डिजिटल दुनिया में लोग संतुष्ट नहीं हो पा रहे हैं कभी सर्वर डाउन कभी लिंक फेल जैसे विभिन्न टेक्नोलॉजी की समस्याएं उत्पन्न कर ग्रामीणों को परेशान किया जाता है और ग्रामीणों का समय बर्बाद किया जाता है लेकिन ना तो कोई इस समस्याओं को लेकर ना कोई संज्ञान लेने वाला ना तो कोई सुनने वाला ना कोई देखने वाले गांव के लोग भोलेभालेव दिल के साफ़ होते है जिसका भरपूर लाभ अधिकारी सहित कर्मचारी उठाते रहते हैं थोड़ी सी काम के लिए दिन दिन भर लोगों को बैठाया जाता है जो समझ से परे है आख़िर जिम्मेदार कौन और कब बदलेगा हमारा सिस्टम और कैसे मिलेगा लोगों को गंभीर समस्याओं से निजात कब होगी बैंकों में पेसो की व्यवस्था बहाल ताकि लोग अपनी समस्याओं से उभर सकें देखने वाली बात है।

वाणिज्य कर विभाग सो रहा है कुंभकर्णी नींद में और इधर हो रही है करोड़ों रुपये के राजस्व की चोरी

पंचायतों में लगे कागजी फर्मो के बिल जांच के नाम पर कागजी कोरम पूरा

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,07 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

लाखों रुपये का टर्नओवर करने वाली फर्म नियम के अनुसार कोई स्टॉक डिटेल लेजर कैशबुक संधारण नहीं कर रहा है जिले की लगभग ग्राम पंचायतों में निर्माण सामग्री के नाम पर कागजों में संचालित हो रही फर्मो का वाणिज्य कर विभाग में रजिस्ट्रेशन जिस सथान पर किया गया है वहां पर किसी प्रकार की कोई फर्म एवं दुकान संचालित नहीं है।

जिले का वाणिज्य कर विभाग के सुस्त रवैये से बीते विगत पांच सालों में शासन को करोड़ों रुपये के राजस्व की क्षति पहुचाई जा रही है पंचायतों में फर्जी फर्मो से खरीदी दिखाकर जहां शासन को चूना लगाने में फर्म संचालको की पूरी मदद की है वहीं वाणिज्य कर विभाग द्वारा संभवतः उक्त फर्मो के सटाक डिटेल लेजर कैशबुक संधारण सहित अन्य दस्तावेजों की पडताल ही नहीं की जिले में एवं विकास खड खडगवा मे सैकड़ों ऐसी फर्मे संचालित है जिन्होंने एक बार जीएसटी नंबर लिया उसके बाद और लाखो रूपये की सपलाई पंचायत में कर दी मजे की बात तो यह है कि वाणिज्य कर विभाग मे उक्त फर्मो का रजिस्ट्रेशन निरस्त हो चुका है इसमे वाणिज्य कर विभाग के जिमेदारो को देखने का समय मिला और ना ही पंचायत एवं जनपद सहित जिले में बैठे जिमेदारो ने देखने की जरूरत नहीं समझी।

करोड़ों रुपये की टैक्स की हुई चोरी

जिले एवं विकास खंड में सैकड़ों फर्म संचालक है जिन्होंने सिर्फ फर्मो का रजिस्ट्रेशन कराया जिसका धरातल पर कोई अता-पता नहीं है। पिछले 6 सालो मे ग्राम पंचायतों में फर्जी फर्मो से जमकर खरीदी की गई हैं कथित फर्मो ने जहां पंचायतों की खरीदी बिक्री की जाच कब हुई यह तो विभाग ही जानेगा लेकिन पंचायतों द्वारा खरीदी गई सामग्री और बिल का मिलान किया जाये तो पंचायत के माध्यम से बडे भ्रष्टाचार का भांडाफोड़ हो सकता है।

टैक्स एवं जीएसटी का कोई जिक्र ही नहीं किया गया

इस दौरान पंचायतों में लगे बिल एवं बिलों के किए गए भुगतान के बिलो पर नजर डाले तो विभिन्न फर्में संचालक ने इस दौरान कोई ऐसी समाग्री नहीं है जिसका बिल पंचायतों में सरपंच सचिवो के द्वारा अपने सगे संबंधियों के नाम से जीएसटी का नंबर करोड़ों रुपये का बिल पंचायतों में लगाए गए हैं। यह अलग बात है कि करोड़ों रुपये की बेची गई समाग्री का बिल लगाने वाले दुकानदार ने कही से खरीदी ही नहीं उसके बाद अपने खातो मे फर्जी भुगतान करा लिया गया है साथ ही निर्माण समाग्री कि खरीदी हुई बिलो से शासन को मिलने वाली जीएसटी टैक्स तक जमा नहीं किया गया है कईयो के जीएसटी नंबर बंद होने के बाद भी ग्राम पंचायतों मे लाखो रूपये के बिलो का उपयोग कर राशि आहरण कि जा रही है लेकिन वाणिज्य कर विभाग ने इस मामले में जाच करने की जरूरत ही नहीं समझी इस संबंध में जागरूक नागरिकों ने मांग की है कि ऐसी फर्मो की जाच कर ऐसे फर्म संचालको द्वारा की गई जीएसटी की चोरी पर कार्य वाही हो जिससे आने वाले समय में कर चोरी पर रोक लग सके।

बैकुंठपुर विधायक भईयालाल राजवाड़े ने स्वास्थ विभाग के लिए किया प्रतिनिधियों का नियुक्ति

गौ सेवक अनुराग दुबे,शाहिद अशरफी,महेंद्र प्रताप और संदीप चिकनजूरी बनाए गए विधयाक प्रतिनिधि

-संवाददाता-
कोरिया,07 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले में स्वास्थ विभाग से संबंधित जन सुविधाओं की बेहतरी और आम जनों को त्वरित स्वास्थ लाभ के लिए बैकुंठपुर विधायक भईया लाल राजवाड़े ने अपने प्रतिनिधियों की नियुक्ति की है। जैसा की पूर्व कैबिनेट मंत्री व वर्तमान बैकुंठपुर विधायक भईया लाल राजवाड़े का समूचा राजनीतिक जीवन जिले ही नहीं बल्कि मंत्री रहते पूरे प्रदेश के लोगों के बेहतर इलाज के लिए समर्पित रहा है और इन्होंने राज्य भर के लोगों को हर संभव बेहतर स्वास्थ सुविधा मुहैया कराया है। इसी वजह से लोगों के बीच इलाज वाले बाबा की छवि भी बनी रही है। देखा जाए तो विधायक भईया लाल राजवाड़े अपनी इन्हीं जन सेवाओं और सरल व्यवहार के लिए पूरे प्रदेश में आज भी चर्चित हैं। इसी तर्ज पर जिले वासियों को सरलता पूर्वक बेहतर ढंग से स्वास्थ सुविधा अनवरत मिलती रहे जिसे लेकर विधायक भईया लाल ने समाजसेवी

वर्ग के लोगों की नियुक्ति की है। जिसमें बैकुंठपुर के गौ सेवक अनुराग दुबे जिनकी मानव सेवा और गौ सेवा की ख्याति किसी वर्ग से छुपी नहीं है। आज जहां एक ओर निजी स्वार्थ ही लोगों के जीवन का उद्देश्य बन चुका है और हमारे बीच जनभावना और समाजसेवा का अभाव देखा जा रहा है ऐसे में अनुराग दुबे अनवरत असहाय लोगों और अन्य प्राणियों के लिए वरदान रहे हैं अनुराग दुबे गौ सेवक तो हैं ही साथ ही वो कई लावारिश शवों का अंतिम संस्कार भी करते आए हैं पशु पक्षियों की सेवा भी इनका मुख्य कार्य रहा है। ऐसे में अब विधायक राजवाड़े द्वारा इन्हें स्वास्थ विभाग से जुड़ी आम लोगों के सेवाओं के लिए जिम्मेदारी दी है ताकि इन्हीं निस्वार्थ भाव से विधायक जी के उद्देश्यों को साकार रूप मिल सके और इनके मंशानुरूप अपेक्षितों को स्वास्थ लाभ मिलता रहे। इसी तरह शाहिद अशरफी की बात की जाए तो इनकी समाजसेवा भावना भी एक अलग पहचान के लिए बैकुंठपुर में जानी जाती है । बैकुंठपुर के जूनापारा निवासी शाहिद अशरफी बहुत ही सहज और सरल प्रवृत्ति के साथ जमीन से जुड़े लोगों की क्षेणी में आते हैं इन्होंने हमेशा लोगों का सहयोग किया है जरूरत मंद और असहाय लोगों को आसानी से स्वास्थ सेवाएं मिल सके इन्होंने इस क्षेत्र में सराहनीय भूमिका दर्ज की है। शाहिद अशरफी जिला चिकित्सालय में आम लोगों के स्वास्थ सेवाओं की देखरेख के लिए अपना काफी समय देते हैं। पीड़ित और दुखियों के लिए घंटों पैदल आवाजाही कर उनके साथ खड़े रहते हैं ताकि पीड़ितों को आसानी से बिना परेशानी स्वास्थ सुविधा मिलती रहे । शाहिद अशरफी असहाय पीड़ित दुखियों के रक्तदाता भी रहे हैं। अशरफी भारतीय जनता पार्टी के अच्छे कार्यकर्ता हैं जिन्होंने हमेशा भारतीय जनता पार्टी की समाज के प्रति मूल उद्देश्यों और राष्ट्रहित संदेशों को लोगों तक प्रमुखता से पहुंचाने का कार्य किया है। जिन्हें भी विधायक राजवाड़े ने स्वास्थ विभाग और जिला चिकित्सालय में आमजन की सेवा का अवसर प्रदान किया है। साथ ही विधायक राजवाड़े ने सीधे तौर पर आम ग्रामीणों से जुड़े ग्राम सरडी के उपसरपंच संदीप चिकनजूरी और पी जी कॉलेज छात्रसंघ के पूर्व सहसचिव महेंद्र प्रताप सिंह को भी इन्हीं सेवाओं के लिए अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है। समाचार पत्र के माध्यम से जिले वासियों तक अवगत कराते हुए इन सभी के मोबाईल संपर्क दिए जा रहे हैं ताकि जरूरत मंद इनसे संपर्क कर स्वास्थ सेवाओं में आ रही दिक्कतों से निजात पा सकें और बेहतर स्वास्थ सुविधा का लाभ ले सकें।

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0-/ब-121/
ग्राम- प.ह.न.

// ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विफल पिता रामाधार जाति कंवर निवासी ग्राम मोहली प.ह.न. 17 रा.नि.म. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र/पुत्री अतारू की मृत्यु दिनांक 07/12/2022 को ग्राम मोहली में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र/पुत्री अतारू का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत मोहली को आदेशित करने का आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 11/11/2024 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त किसी आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील

नायब तहसीलदार
भैयाथान
जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

पहिले पहिल हम कईनी छठी मइया व्रत तोहार..करिहा क्षमा छठी मईया भूल-चूक गलती हमार

संतान के सुख-सौभाग्य, समृद्धी और सुखी जीवन की कामना के लिए किया गया छठ व्रत

दुखवा मिटाईं छठी मईया,रउए असरा हमार...

यही आखिरी गीत गाकर दुनिया को अलविदा कह गईं शारदा सिन्हा

इस छठ बिहार की स्वर कोकिला शारदा सिन्हा की कमी खली देश को...गुरुवार को संध्या में डुबते सूर्य को दिया गया अर्घ्य

छठ पर्व को लेकर क्षेत्र में दिखा काफी उत्साह...छठ गीतों से गूँजायमान रहा क्षेत्र

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर/पटना,07 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

खरना से एक दिन पहले नहाय खाए के दिन बिहार कि स्वर कोकिला शारदा सिन्हा का 72 साल की आयु में निधन हो गया जो पूरे देश के लिए दुःख भरी खबर रही, वही पूरे देश में इनका गाया हुआ छठ गीत काफी लोकप्रिय था जो हमेशा के लिए सुरक्षित है, भले से शारदा सिन्हा नहीं रही पर उनके गाए गीत हमेशा ही लोगों के जबान पर रहेंगे, इस बार छठ पर्व में उनके जाने का दुख सभी को था फिर भी लोगों ने छठ पर्व काफी धूमधाम से मनाया और उनके गीत को गाकर छठ घाट तक पहुंचे। पहिले पहिल हम कईनी छठी मइया व्रत तोहार, करिहा क्षमा छठी मईया भूल-चूक गलती हमार...केलवा के पात पर उगेलन सुरुज मल झांके झुके, केलवा के पात पर उगेलन सुरुज मल झांके झुके ए करेलु छठ बरतिया से झांके झुके ए करेलु छठ बरतिया से झांके झुके... हम तोसे पूछी बरतिया ऐ बरतिया से केकरा लागी ए करेलू छठ बरतिया से केकरा लागी ए करेलू छठ बरतिया से केकरा लागी... उगऽ, हे सूरज देव, भेल भिनसरवा अरघ के रे बेरवा, पूजन के रे बेरवा, हो बड़की पुकारे, देव, दुनु कर जोरवा अरघ के रे बेरवा, पूजन के रे बेरवा, हो... कौने खेत जनमल धान सुधान हो कौने खेत डटहर पान ऐ माई, कौन कोखि लिहल जनम ऐ सुरुजदेव उठो, सुबह का सूरज चमक रहा है, हे माँ कौन कोखि लिहल जनम ऐ सुरुजदेव उठ सुरुज भइले बिहान....यही छठ पर्व के सुमधुर महिलाएं समूह में लोक गीत गाते हुए घर से निकली और तालाब तक गीत गाते हुये पहुंची, यह दृश्य काफी आकर्षक का केंद्र रहता है और काफी सुरीली आवाज में गाया गया गीत लोगों को पसंद आता है।

कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी पर सूर्योपासना के लिए मनाया जाने वाला चार दिवसीय महापर्व नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ बुधवार को उपासकों द्वारा छठ घाट बांधा गया। गुरुवार की शाम पटना के श्रद्धालू झूमरपारा व बुढा सागर तालाब में,कटकोना में एसईसीएल तालाब, गोबरी जलाशय में व्रतधारियों ने अस्तचलगामी सूर्य को पानी में खड़े होकर प्रथम अर्घ्य अर्पित किया। व्रतधारी महिला व पुरुषों ने डूबते हुए सूर्य को फल और कंद मूल से भी अर्घ्य अर्पित किया। इस छठ महापर्व के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। चारो-ओर छठ गीत की गूंज रही। छठ महापर्व के दूसरे दिन श्रद्धालु दिन भर बिना जल ग्रहण किए उपवास रहने के बाद सर पर फलों से सजी दौरी व सुप लेकर सूर्य देव को अर्घ्य देने तालाब घाट पहुंचे जहां महिलाएं पानी में खड़े होकर फलों से सजी सुप अस्तचलगामि सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हुए और अपने घर परिवार सुख, समृद्धि की कामना की।

इस छठ बिहार की स्वर कोकिला शारदा सिन्हा की कमी खली

बिहार की स्वर कोकिला शारदा सिन्हा ने 72 साल की आयु में दिल्ली स्थित एम्स में आखिरी सांस ली, पिछले कुछ दिनों से वो बीमार चल रही थीं, देश भर में दिनों हर जगह शारदा सिन्हा की आवाज छठ गीतों के जरिए गूंज रही है, उनके गीतों के बिना छठ पूजा अधूरा सा लगता है, पिछले कई दिनों से शारदा सिन्हा अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रही थीं, अस्पताल के बिस्तर से ही उन्होंने अपना आखिरी छठ गीत 'दुखवा मिटाईं छठी मईया'जारी किया था।

शारदा सिन्हा के गीतों के बिना अधूरा है छठ

लोक आस्था का पर्व छठ पूजा शुरू हो गया है, 6 नवंबर को खरना रहा, 7 नवंबर को सांध्य अर्घ्य और 8 नवंबर को उगते सूरज को अर्घ्य देकर पूजा सम्पन्न होगी. छठ घाट सज चुके हैं, और हर गली-मोहल्ले में शारदा सिन्हा की आवाज गूंज रही है लोग वर्षों से उनके छठ गीतों को सुनते आ रहे हैं, जो मन को छू लेते हैं, उनकी आवाज में ऐसा जादू है कि छठ पूजा के गीत सुनकर लोग भावुक हो जाते हैं।

यह है परंपरा

छठ पूजा में भगवान सूर्य की सातों समय की पूजा नदी, नाला तालाब के किनारे ही करने का विधान है इस पूजा की शुरूआत दीपावली के चौथे दिन हो गई थी, महिलाएं एवं पुरुष इस व्रत मे 36 घंटे का निर्जला व्रत रखते हैं। तीनों दिनों के दौरान व्रतधारियों द्वारा केवल चावल एवं लौकी की सब्जी का सेवन किया गया। दिवाली के छठवे दिन बुधवार को घाट में विधि-विधान के साथ पूजन किया गया। ऐसी मान्यता है कि भगवान विष्वामित्र ने इसी दिन गंगा नदी के घाट पर दूसरी सृश्टी के निर्माण के लिए माता गायत्री की आराधना की थी।

कोरिया जिले में जगह-जगह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया छठ महापर्व,जगह जगह स्थानीय निकायों ने की छठ घाट पर व्यवस्था

कोरिया जिले में जगह जगह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया छठ महापर्व,जिले में सभी निकायों ने अपने अपने निकाय में छठ घाटों पर श्रद्धालुओं के लिए यथा उचित व्यवस्था की। बैकुंठपुर सहित शिवपुर चरचा में नगरपालिका परिषद की तरफ से छठ घाट पर साफ सफाई एवं टेंट पंडाल सहित साउंड व्यवस्था की गई। ग्राम पंचायतों में पटना में ग्राम पंचायत की तरफ से झूमर पारा सहित अन्य घाट पर जरूरी व्यवस्था सरपंच के द्वारा की गई। छठ पूजा का उत्सव मनाने जगह जगह लोग जुटते नजर आए। जमगहना, कटकोना, पांडवपारा,टेमरी,रनई,सोनहत सहित जिले के कई ग्रामों में उत्साह के साथ छठ पूजा मनाई गई। छठ पूजा पहले बिहार उत्तरप्रदेश से ही आकर निवास कर रहे लोग मनाया करते थे लेकिन अब छठ पर्व की ख्याति इस प्रकार फैली है इसका महत्व ऐसा बढ़ा है कि अब इसे हर कोई मना रहा है और अब जिले में भी लगातार छठ पूजा श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है। छठ पर्व जहां अस्ताचलगामी एवं उदीयमान सूर्यदेव के पूजन के साथ मनाया जाता है वहीं छठ पर्व में फलों सब्जियों सहित अन्य अन्न धान्य की उपयोगिता को देखते हुए कहा जा सकता है कि प्रकृति की पूजा का भी यह पर्व है। प्रकृति की पूजा का भी यह महापर्व है।

पूरे भारत में मनाया जाने लगा है छठ पर्व

महापर्व छठ लोक आस्था का प्रतीक है इस महापर्व का तीसरे दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है दीवाली के तुरंत बाद ही बिहार, झारखण्ड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में छठ की तैयारियां तो रहती है पर यह महापर्व छठ लोक आस्था का प्रतीक है इस महापर्व को जहां कुछ राज्यों में मनाया जाता था पर अब धीरे-धीरे यह पर्व पूरे भारतवर्ष के हर राज्यों में मनाया जाने लगा है यह एक ऐसा पर्व है जिसमें प्राकृतिक की पूजा होती है यह पर्व प्राकृतिक से जुड़ा हुआ है और जैसे-जैसे इस पर्व की जानकारी लोगों को मिल रही है वैसे वैसे इस पर्व के आस्था से लोग जुड़ रहे हैं यही वजह है कि बहुत तेजी से यह पर्व हर तरफ होने लगा है और लोगों की आस्था इस पर्व के प्रति बढ़ी है यहां तक कि इस पर्व को करने के लिए लोगों के अंदर लालसा भी खूब जागी है और इतने कठिन पर्व को भी करने के लिए लोग अब हर्ष उत्साहित हैं, इस 4 दिवसीय त्योहार में भगवान सूर्य देवता की पूजा की जाती है, छठ का त्योहार साल में 2 बार मनाया जाता है, जिसमें पहला चैत्र शुक्ल षष्ठी और दूसरा कार्तिक माह की शुक्ल षष्ठी के दिन मनाया जाता है, 4 दिन के इस त्योहार में, 36 घंटे का निर्जला व्रत रखा जाता है, संतान के सुख-सौभाग्य, समृद्धी और सुखी जीवन की कामना के लिए छठ की पूजा की जाती है, इस पर्व की शुरुआत नहाय खाय के साथ होती है, इसके बाद खरना, अर्घ्य और पारण किया जाता है, खरना के दिन चावल और गुड़ की खीर बनाई जाती है।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

इस बार छठ घाट में श्रद्धालुओं की भीड को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इन्तजाम किया गया है। घाट पर श्रद्धालुओं को रात में रहने के लिए पंडाल व लाईटिंग कि व्यवस्था भी की गई। ताकि श्रद्धालुओ को किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो अर्घ्य के इस पर्व को लोग बड़ी धुम धाम से मना रहे हैं। उल्लास में पर्व के तीसरे दिन स्थानीय तालाब के छठ घाट के आसपास जम के पटाखे फोड़कर लोगो ने हर्ष प्रदर्शित किया।

छठ पर्व पर फल का अलग महत्व

छठ महापर्व पर कई तरह के फल चढ़ाए जाते हैं जैसे केला, सेव, संतरा, मुसंबी, सिंघाड़ा, अनानस, बैर, सुथनी, लालकंदा, जैसे कई कंद मूल से सूर्य देव की पूजा की जाती है यह सभी फल व्यापारी छत्तीसगढ़ के बाहर से दो दिनों पूर्व ही मंगा लेते है ताकि श्रद्धालुओं को समय पर उपलब्ध करा सकें। इस बार भी फल की सुप सजाने के लिए फल की खरीदारी में पूरे दिन लोग जुटे रहे।

श्रद्धालु के सिर पर सजा पूजा का सुप दौरा

सूर्य साधक के परिवार का प्रत्येक व्यक्ति स्वच्छ परिधान में नंगे पैर सिर पर पूजा की टोकरी लिये हुए घर से छठ घाट तक पैदल पहुंचे। छठ पूजा श्रद्धालु सूप दौरा लेकर उत्साहित मन से इस पर्व पर छठ घाट पहुंचते हैं । इस पर्व में लोग सूप दौरा सिर पर ढोने से नहीं कतराते हैं बल्कि वह सहर्ष उसे सिर पर उठाते हैं। इस पर्व में कोई छोटा बड़ा खुद को नहीं समझता एक ही जगह हर जाती के लोग आकर इस पर्व को मनाते हैं और यह एक सामाजिक समरसता के भाव का भी प्रकटीकरण स्वरूप देखा जाता है।

पुराणों में मिलता छठ व्रत कैसे शुरू हुई परंपरा की कथा

छठ व्रत की परंपरा सदियों से चली आ रही है, यह परंपरा कैसे शूरू इस संदर्भ में एक कथा का उल्लेख पुराणों में मिलता है, इसके अनुसार प्रियव्रत नामक एक राजा की कोई संतान नहीं थी, संतान प्राप्ति के लिए महर्शि कश्यप ने उन्हें पुत्रयेश्टि यज्ञ करने का परामर्ष दिया, यज्ञ के फलस्वरूप महारानी ने एक पुत्र को जन्म दिया, किन्तु व शिशु मृत था इस समाचार से पूरे नगर में शोक व्याप्त हो गया। तभी एक आष्चर्य जनक घटना घटी, आकाश से एक ज्योतिर्मय विमान धरती पर उतरा और उसमें बैठी देवी ने कहा, 'मैं षष्ठी देवी और विश्व के समस्त बालकों की रक्षिका हूं' इतना कहकर देवी ने शिशु के मृत शरीर का स्पर्ष किया, जिससे वह बालक जीवित हो उठा, इसके बाद से ही राजा ने अपने राज्य में यह त्योहार मनाने की घोषणा कर दी।

छठी माई की उपासना के साथ डूबते सूर्य को भक्तों ने दिया अर्घ्य

सामतपुर अनूपपुर मढ़फा तालाब घाट पर भक्तों का उमड़ा जन सैलाब

-बागी कलम-
अनूपपुर,07 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सूर्य उपासना के पर्व छठ पूजा को लेकर सामतपुर अनूपपुर मढ़फा तालाब में छठी मैया के पूजन में आज दिनांक 07 नवम्बर को भगवान भास्कर को सूर्यास्त में अर्ग देते हुए का पूजा तलाब घाट पर छठी माई की कठिन पूजा उपासना के पश्चात भक्तों ने डूबते सूर्य की पूजा कर अर्घ्य दिया। इस अवसर पर क्षेत्र से छठ तलाब घाट पर भक्तों का भारी जनसैलाब उमडा। सभी लोगों ने एक दूसरे को छठ पर्व की शुभकामना देते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर भगवा पटी के जिला अध्यक्ष कमलेश द्विवेदी वार्ड क्रमांक 7 की पार्षद डॉक्टर प्रवीण आशीष त्रिपाठी,पार्षद गणेश रौतेल, रेलवे मेंस कांग्रेस के जोनल महामंत्री लक्ष्मण राव, वरिष्ठ पत्रकार भाजपा नेता मनोज द्विवेदी, समिति के संयोजक एडवोकेट अक्षयवट प्रसाद, संदीप गर्ग, प्रमोद गौर, चैतन्य मिश्रा, शिवाशू रंजन बैठा और राहुल प्रसाद प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। साथ ही राज्य आपदा प्रबंधन केन्द्र अनूपपुर के जिला कामान्डेट अपनी टीम के साथ सुरक्षा व्यवस्था का जयजा लेते हुए, पुलिस सुरक्षा के अलावा क्षेत्र के प्रमुख निर्वाचित पाषर्द एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। नगर पालिका परिषद अनूपपुर के अध्यक्ष के द्वारा के छठ तलाब घाट पर साफ सफाई व्यवस्था से लेकर समिति के संयोजक के द्वारा उपासको के लिए टेंट लाइट की व्यवस्था नगर पालिका परिषद अनूपपुर के माध्यम से की गई। 07 नवंबर 2024 को छठ पूजा में शामिल उपवास रखने वाले भक्त डूबते सूर्य की उपासना की एवं 08 नवंबर 2024 को उगते सूर्य की उपासना की जाएगी। छठ पूजा हिंदू त्योहार है जो चार दिनों तक चलता है और सूर्य देवता की पूजा करता है। इसमें भक्त उपवास, प्राकृतिक तत्वों का समर्थन और पर्यावरण की सफाई का महत्वपूर्ण रोल निभाते हैं। छठ पूजा का अनुष्ठान भक्ति और गहन आध्यात्मिक अर्थ से भरा होता है। इस पर्व में भगवान सूर्य के साथ छठी माई की पूजा-उपासना विधि-विधान के साथ की जाती है। यह सबसे कठिन व्रतों में से एक माना जाता है इस पर्व में आस्था रखने वाले लोग सालभर इसका इंतजार करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि छठ का व्रत संतान प्राप्ति की कामना, संतान की कुशलता, सुख-समृद्धि और उसकी दीर्घायु के लिए किया जाता है। समिति के संयोजक एडवोकेट अक्षयवट प्रसाद ने बताया की 08 नवम्बर को सूर्योदय के साथ पूजा की समाप्ति पर समस्त उपस्थित श्रद्धालु एवं व्रत धारी माता और बहनों को पारण हेतु व्यवस्था की गई है और शिव मारुति सेना के साथ साथ मढ़पा तलाब छठ पूजा समिति के द्वारा समस्त तैयारी मे महत्वपूर्ण योगदान देते हुए ऐतिहासिक छठ मैया के पूजा मे किसी प्रकार का समस्या उत्पन्न ना हो इस हेतु सुरक्षा की गई। मड़फा सामतपुर तालाब के आयोजक मंडल में प्रमुख रूप से संरक्षक पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष प्रेम कुमार त्रिपाठी समिति के संयोजक एडवोकेट अक्षयवट प्रसाद, कमलेश द्विवेदी, राजीव शुक्ला, लक्ष्मण राव , चैतन्य मिश्रा, आशीष त्रिपाठी, पार्षद गणेश रौतेल, आर के सिह, प्रमोद गौर, अजय कुमार प्रसाद, शिवांशु रंजन, वरुण चटर्जी, सत्येंद्र स्वरूप दुबे, सुजीत कुमार मिश्रा, श्रीमती संतोष दुबे, संदीप गर्ग, राहुल कुमार, बृजेश राठौर समस्त शिव मारुति सेना के सदस्य, आरके सिंह, डीएन यादव, विनोद सिंह, विजय राठौर, गणेश राठौर, अनिल सिंह, प्रमोद गौर, बद्रीनाथ तिवारी, रविंद्र प्रताप यादव के साथ पूर्वांचल के सभी व्रत धारी के सहयोग से कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

भारत बनाम साउथ अफ्रीका मैच आज डरबन में

» डरबन में रद्द हो सकता है भारत बनाम साउथ अफ्रीका मैच...

डरबन,07 नवंबर 2024।भारतीय क्रिकेट टीम साउथ अफ्रीका दौरे पर है जहां उसे मेजबान टीम के साथ 4 मैचों की टी20 आई सीरीज खेलनी हैं। इस सीरीज का आगाज कल यानी 8 नवंबर से डरबन में होने जा रहा है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया जीत के साथ अपने अभियान का आगाज करना चाहेगी। हालांकि साउथ अफ्रीकी टीम की चुनौती से निपटना भारतीय टीम के लिए बिलकुल भी आसान नहीं होगा। भारतीय टीम ने इसी साल टी 20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में साउथ अफ्रीका का सपना तोड़ते हुए खिताब अपने नाम किया था। ऐसे में अफ्रीकी टीम उस दिल तोड़ देने वाली हार का बदला लेना चाहेगी।

इस दौरे पर युवा खिलाड़ियों के साथ-साथ टीम के सीनियर खिलाड़ी जैसे कप्तान सूर्यकुमार यादव, ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और अक्षर पटेल भी साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज को यादगार बनाने की कोशिश करेंगे। हालांकि मौसम इसमें अड़चन डाल सकता है। दरअसल, पहले टी 20 आई मैच से पहले डरबन से अच्छी खबर नहीं है। पहले मैच पर

बारिश का संकट मंडरा रहा है। ये मैच स्थानीय समयानुसार शाम 5:00 बजे और भारतीय समयानुसार रात 8:30 बजे शुरू होगा। वेदर रिपोर्ट के मुताबिक, इस मैच में बारिश बाधा डाल सकती है।

एक्यूवेदर की रिपोर्ट के मुताबिक, इस मैच की शुरुआत में आसमान बादलों से घिरा रहेगा, लेकिन बारिश नहीं होने की संभावना है। स्थानीय समयानुसार शाम 7:00 बजे बारिश शुरू होने का अनुमान है। शाम 7:00 बजे के बाद बारिश होने की सबसे ज्यादा करीब 47 प्रतिशत आशंका है। बाकी दिन बारिश की संभावना 50 प्रतिशत से ज्यादा है। अगर मौसम का पूर्वानुमान सही साबित होता है, और बारिश होती है तो मैच रद्द भी हो सकता है।

दोनों टीम इस प्रकार हैं...

भारतीय टीम:-सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विजयकुमार विशक, आवेश खान, यश दयाल।

साउथ अफ्रीका की टीम:-एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएत्जी, डोनोवन फरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, पैट्रिक क्रुगर, केशव महाराज, डेविड मिलर, मिह्लाली मपोंगवाना, नकाबा पीटर, रयान रिकेल्टन, एंडिले सिमलेन, लूथो सिपम (तीसरा और चौथा मैच), ट्रिस्टन स्टब्स।

खेल की संक्षिप्त

अल्जारी जोसेफ की बीच मैच में कप्तान से भिड़े, गुस्से में छोड़ा मैदान

अल्जीरिया,07 नवंबर 2024। वेस्टइंडीज और इंग्लैंड तीसरे वनडे के दौरान कुछ ऐसा हुआ जिसकी शायद ही किसी को उम्मीद नहीं थी। दरअसल, वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की कप्तान शे होप से बीच मैदान में तू तू मैं मैं हो गई। जोसेफ कप्तान से इतना गुस्सा हो गए थे कि वह बीच मैच में मैदान छोड़कर बाहर चले गए। ये नजारा देख कर हर कोई हैरान था।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले ऋषभ पंत के लिए कंगारू बना रहे हैं बड़ा प्लान

मेलबर्न ,07 नवंबर 2024 । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 मैच की बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज का आगाज 22 नवंबर से होने जा रहा है। न्यूजीलैंड से 0-3 से सीरीज हारने के बाद टीम इंडिया का आत्मविश्वास पूरी तरह से डगमगाया हुआ है। बीजीटी से पहले रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ियों की फॉर्म ने टीम इंडिया की चिंता बढ़ाई हुई है। वहीं दूसरी ओर वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया भारत की मेजबानी के लिए पूरी तरह से तैयार है। पैट कमिंस ने खुलासा किया है कि वह ऋषभ पंत जैसे विस्फोटक बल्लेबाज के लिए खास प्लान तैयार कर रही है। वहीं इसके अलावा उन्होंने रोहित शर्मा और विराट कोहली की फॉर्म पर भी बड़ी बात कही है।

आईपीएल ऑक्शन से पहले तीन खिलाड़ियों का होगा ऑडिशन

» टीमों को रिझाने का लास्ट चांस होगा...

नईदिल्ली,07 नवंबर 2024 । आईपीएल 2025 के ऑक्शन की डेट तय हो चुकी है। अगले साल होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के लिए खिलाड़ियों की बोली इसी महीने की 24 और 25 तारीख को जेद्दा में लगेगी। इसके लिए टीमों की तैयारी भी शुरू हो चुकी है। टीमों ने अपनी पसंद के खिलाड़ियों को पहले ही रिटेन कर लिया है, अब बाकी स्क्वायॅड के लिए मेगा ऑक्शन होगा। इस बीच 8 नवंबर से भारत और साउथ अफ्रीका के बीच चार टी20 मैचों की सीरीज शुरू होने जा रही है। इसमें कुछ खिलाड़ी अपना ऑडिशन देते हुए नजर आएंगे। हालांकि इनकी संख्या कम है, फिर भी उनके पास चांस है कि वे टीमों को रिझा सकें और उन पर मोटी बोली लगाई जाए।

भारत बनाम साउथ अफ्रीका सीरीज के बाद होगी आईपीएल के लिए नीलामी

साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली चार मैचों की टी20 सीरीज के लिए जो टीम चुनी गई है, उसमें कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं, जिन्हें उनकी आईपीएल टीम ने रिटेन नहीं किया है। यानी अब जब ऑक्शन होगा तो उन पर बोली लगेगी। अभी तक के आईपीएल ऑक्शन पर नजर डालें तो हम पाते हैं कि टीमें उस खिलाड़ी पर दिल खोलकर पैसे लगाती हैं, जो उस वक्त अच्छे फार्म में चल रहा होता है। इस बार भी ऐसा ही कुछ हो तो कोई नई बात नहीं होगी। यानी रिलीज किए गए खिलाड़ी अगर यहां पर अच्छा खेल दिखाते हैं तो उनकी डिमांड बढ़ी हुई नजर आएगी।

जितेश शर्मा और अर्शदीप के पास होगा मौका

जो खिलाड़ी रिटेन नहीं किए गए हैं और इस सीरीज में नजर आएंगे, उनके बारे में भी आपको बताते हैं। जितेश शर्मा को उनकी टीम पंजाब किंग्स ने रिलीज कर दिया है। वे विकेट कीपर की हैसियत से साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेलते हुए दिख सकते हैं। हालांकि पहले विकल्प तो संजू सैमसन ही होंगे, लेकिन अगर कप्तान सूर्यकुमार यादव ने चाहा तो जितेश को भी मौका मिल सकता है। वहीं बात अगर अर्शदीप सिंह की करें तो उन्हें भी पंजाब किंग्स ने रिटेन नहीं किया है। वे तो लगभग सारे मैच खेलते हुए दिखाई देंगे। अगर वे साउथ अफ्रीका के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं तो उनकी बोली बढ़ती चली जाएगी और कई टीमें उन्हें अपने पाले में करने की कोशिश करेंगी। विजय कुमार को भी आरसीबी ने रिलीज कर दिया है।

आवेश खान और यश दयाल भी साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेलेंगे

आवेश खान को राजस्थान रॉयल्स ने रिलीज किया है। इससे पहले वे लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए भी आईपीएल खेल चुके हैं। संभावना है कि वे टीम इंडिया के लिए कई मैच साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेलते हुए दिखाई दे सकते हैं। उनके पास भी मौका होगा कि वे अपनी टीम के लिए अच्छा खेल दिखाकर अपनी कीमत में इजाफा करें। इसके बाद नाम आता है यश दयाल का, जो पिछले कुछ वक्त से गुजरात टाइटंस के लिए खेल रहे थे। अब से रिलीज कर दिए गए हैं, लिहाजा उन्हें भी नीलामी में आना है। देखना होगा कि इनमें से कौन से खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर अपनी कीमत आईपीएल के लिए बढ़ा सकते हैं।

भारतीय टीम में होगा एक नया खिलाड़ी...

नईदिल्ली,07 नवंबर 2024 ।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 22 नवंबर से शुरू हो रही है। अगर भारतीय टीम इस मैच में हिस्सा लेती है तो हमें कुछ आश्चर्यजनक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। इससे पहले, भारतीय ए टीम और ऑस्ट्रेलियाई ए टीम का आमना-सामना हुआ और जहां अभिमन्यु ईश्वरन और केएल राहुल विफल रहे, वहीं ध्रुव झुरेल मध्य क्रम में आए और काम पूरा किया। इसके बाद उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारत की प्लेइंग इलेवन में शामिल किए जाने की संभावना है।

ग्राहम थोर्प और मार्टिन क्रो के नाम पर रखी जायेगी इंग्लैंड-न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज

लंदन,07 नवंबर 2024 । इंग्लैंड न्यूजीलैंड के साथ टेस्ट सीरीज के लिए एक नई ट्रॉफी का नाम देकर दिग्गज बल्लेबाज ग्राहम थोर्प को सम्मानित करने के लिए तैयार है। इसका नाम थोर्प और न्यूजीलैंड के बल्लेबाज मार्टिन क्रो के नाम पर रखा जाएगा, जो अपने-अपने देशों के दो सबसे प्रतिष्ठित बल्लेबाजों को श्रद्धांजलि है।

यह ट्रॉफी इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज के विजेता को दी जाएगी, यह मुकाबला 1930 में दोनों देशों के बीच पहली टेस्ट भिड़ंत से जुड़ा है। टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार, 28 नवंबर से शुरू होने वाली आगामी सीरीज में इस पहल के प्रभावी होने की उम्मीद है, जिसका उद्देश्य क्रो और थोर्प की विरासत का सम्मान करना है। क्रो, जिन्हें अक्सर न्यूजीलैंड का सबसे बेहतरीन बल्लेबाज माना जाता है, ने 1982 से 1995 तक 77 टेस्ट मैचों में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें 17 शतक और 18 अर्धशतक सहित 45.36 की औसत से रन बनाए।

माइकल नेसर चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया ए मैच से बाहर

मेलबर्न,07 नवंबर 2024 । तेज गेंदबाज माइकल नेसर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण भारत ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ए मुकाबले के शेष मैच से बाहर हो गए हैं। उन्होंने दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के पहले दिन चार विकेट लिए थे। नेसर, जिन्होंने 4-27 के आंकड़े के साथ वापसी की, सुबह 13वें ओवर की अपनी दूसरी गेंद के बाद अचानक से चोटिल हो गए। वे तुरंत मैदान से लंगड़ाते हुए बाहर चले गए।

रणजी ट्रॉफी में श्रेयस अय्यर ने प्रथम श्रेणी करियर का तीसरा दोहरा शतक लगाया

नईदिल्ली,07 नवंबर 2024 । इस समय खेली जा रही रणजी ट्रॉफी 2024-25 में मुंबई क्रिकेट टीम के प्रमुख बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने जोरदार दोहरा शतक लगाया है।एलीट ग्रुप-ए में ओडिशा क्रिकेट टीम के खिलाफ मुकाबले में अय्यर ने मैच के दूसरे दिन के दौरान अपनी पारी को दोहरे शतक में तब्दील किया।बता दें कि यह मौजूदा सीजन में उनके बल्ले से निकलने वाली लगातार दूसरी शतकीय पारी है।मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जब 154 के स्कोर पर कप्तान अजिंक्य रहाणे (0) के रूप में तीसरा विकेट गंवाया, तब अय्यर क्रीज पर आए थे।अच्छी लय में नजर आ रहे अय्यर ने पहले दिन के ही दौरान अपने प्रथम श्रेणी करियर का 15वां शतक लगाया।उन्होंने मैच के दूसरे दिन के पहले सत्र के दौरान सिर्फ 201 गेंदों में अपना दोहरा शतक पूरा किया। अय्यर ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अब तक 78 मुकाबले खेले हैं और इसकी 134 पारियों में लगभग 48 की औसत से 6,250 से अधिक रन बनाए हैं।उनके बल्ले से 15 शतक के अलावा 33 अर्धशतक भी निकले हैं। उन्होंने 2014 में अपने प्रथम श्रेणी करियर का आगाज किया था।लिस्ट-ए क्रिकेट में इस खिलाड़ी ने 144 मैच खेले हैं और 46.14 की औसत से 5,584 रन बनाए हैं।अय्यर ने अपने प्रथम श्रेणी करियर का कुल तीसरा और रणजी ट्रॉफी इतिहास का अपना दूसरा दोहरा शतक लगाया है।

हंटर की शूटिंग के दौरान पसलियों में लकड़ी लगने से सुनील शेट्टी घायल

बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी, जो वर्तमान में अपने आगामी वेब शो हंटर की शूटिंग कर रहे हैं, गुरुवार को शो के लिए कुछ हाई-ऑक्टेन सीन करते समय गंभीर रूप से घायल हो गए। अभिनेता को तुरंत सेट पर मौजूद एक डॉक्टर ने चेक किया और इस घटना ने अब उनके प्रशंसकों को चिंतित कर दिया है। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, शेट्टी हंटर में एक गहन लड़ाई के दृश्य की शूटिंग कर रहे थे, उनके साथ 4-5 अन्य एक्शन कलाकार भी थे। शूटिंग के लिए, टीम ने एक लकड़ी के लॉग का इस्तेमाल सहारा के रूप में किया। हालांकि, गलत समय पर मूव करने के कारण, शेट्टी की पसलियों में लकड़ी का लॉग लग गया। शूटिंग रोक दी गई और अभिनेता को तुरंत चिकित्सा सहायता और देखभाल प्रदान की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि चोट की गंभीरता की जांच करने के लिए एक डॉक्टर को एक्स-रे मशीन के साथ सेट पर ले जाया गया। चिकित्सा पेशेवरों ने फ्रैक्चर और आंतरिक चोटों की भी जांच की। बाद में, शेट्टी ने अपने एक्स हैंडल पर अपने स्वास्थ्य के बारे में अपडेट साझा किया। उन्होंने लिखा, मामूली चोट है, कोई गंभीर बात नहीं है! मैं बिल्कुल ठीक हूं और अगले शॉट के लिए तैयार हूं। सभी प्यार और देखभाल के लिए आभारी हूं। जिन्हें नहीं पता,उन्हें बता दें कि हंटर में शेट्टी मुंबई के अंडरवर्ल्ड के संदिग्ध मामलों को सुलझाने वाले पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं। शो में ईशा देओल, बरखा बिष्ट, करणवीर शर्मा और राहुल देव भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।इसके अलावा, शेट्टी के पास अक्षय कुमार, अनिल कपूर, बॉबी देओल, रवीना टंडन, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडीज, श्रेयस तलपड़े, मीका सिंह, संजय दत्त और अन्य के साथ वेलकम टू द जंगल भी है।

दिव्यांका त्रिपाठी की द मैजिक ऑफ शिरी को मिली रिलीज तारीख

छोटे पर्दे की जानी-मानी अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी पिछले लंबे समय से वेब सीरीज द मैजिक ऑफ शिरी को लेकर चर्चा में हैं।उनकी यह सीरीज पिछले साल 13 जुलाई को ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन किसी कारण निर्माताओं ने इसकी रिलीज टाल दी।अब द मैजिक ऑफ शिरी की नई रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है। आइए जानते हैं इस सीरीज को आप कहां और कब देख सकते हैं। द मैजिक ऑफ शिरी का प्रीमियर 14 नवंबर, 2024 से जियो सिनेमा पर होने जा रहा है। निर्माताओं ने पोस्ट साझा करते हुए लिखा, मेहरबान कदरदान साहिबान, हो जाए तैयार,क्योंकि जल्द ही छाएगा शिरी का जादू।जावेद जाफरी और दास नमिता भी इस सीरीज का अहम हिस्सा हैं।द मैजिक ऑफ शिरी की कहानी एक घरेलू महिला के संघर्ष को दिखाती है, जो घरेलू कामकाजी की दुनिया से निकलकर ऐसा काम करना चाहती है, जिसमें उसकी दिलचस्पी है।

अर्जुन कपूर किस बीमारी से जूझ रहे

अर्जुन कपूर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं. दरअसल,कुट्टे,द लेडीकिलर और विलेन रिटर्न्स की असफलता के बाद अर्जुन की सिंघम अगेन बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई। ऐसे में अर्जुन मीडिया से बात करते हैं और उन्हें इंटरव्यू देते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में अर्जुन ने मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि वह हाशिमोतो नामक बीमारी से पीड़ित हैं। अर्जुन ने कहा, जब आपकी फिल्में अच्छा प्रदर्शन नहीं करतीं तो आप खुद पर संदेह करने लगते हैं। मेरे साथ भी ठीक वैसा ही हुआ था। मैं, जिसका जीवन एक फिल्म है। मैंने फिल्मों का आनंद लेना बंद कर दिया। अचानक मैंने अन्य लोगों के काम को देखना शुरू कर दिया और खुद से पूछा, क्या मैं यह कर पाऊंगा या मुझे मौका मिलेगा? मुझे एहसास हुआ कि कोई समस्या है. फिर मैंने थेरेपी शुरू की अर्जुन ने आगे कहा, मैंने थेरेपी शुरू की और कई थेरेपिस्ट के पास गया लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। फिर मुझे कोई मिला जिसने मुझे बोलने की इजाजत दी। उन्होंने कहा कि मैं उदास था। मैंने कभी इसके बारे में खुलकर बात नहीं की, लेकिन मुझे हाशिमोटो रोग भी है। जब मैं हवाई जहाज से यात्रा करता हूं और मेरे मन को लगता है कि मैं खतरे में हूं, मेरा वजन बढ़ने लगता है। जब मैं 30 साल का था तब मुझे यह बीमारी हुई। मेरी मां को भी यह बीमारी थी और मेरी बहन (अंशुला कपूर) को भी यह बीमारी है।

महादेव घाट पर आस्था का सैलाब

छत्तीसगढ़ के प्रमुख शहरों रायपुर,बिलासपुर,दुर्ग, सरगुजा और राजनांदगांव सहित कई जिलों में छठ महापर्व की धूम

» छत्तीसगढ़ में व्रती महिलाओं ने डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य...

» रायपुर के महादेव घाट पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़..

रायपुर,07 नवम्बर 2024 (ए)। राजधानी रायपुर, दुर्ग-भिलाई, बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ में व्रती महिलाओं ने गुरुवार की शाम अलग-अलग घाट और तालाबों पर डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया।

रायपुर में खारुन नदी सहित अन्य तालाबों के किनारे पूजा करके अस्त होते सूर्य को अर्घ्य दिया। अर्घ्य देने के बाद घाट पर रातभर भजन-कीर्तन करेंगे। शुक्रवार को पुनः सूर्योदय होते ही अर्घ्य देने की परंपरा निभाएंगे। इसके पश्चात ठेकुआ का प्रसाद ग्रहण कर निर्जला व्रत का पारणा करेंगे।

इधर, भिलाई नगर में छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने सेक्टर -2 छठ तालाब पहुंचकर अस्त होते सूर्य को अर्घ्य देकर पूजा- अर्चना की। उन्होंने छठ मइया की पूजा-अर्चना कर भिलाईवासियों और प्रदेश की खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।इस दौरान उन्होंने लोगों से भेंट करते हुए उनका हालचाल जाना और लोगों को छठ पर्व की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि सूर्य देव विपुल ऊर्जा के स्रोत हैं। छठ एकमात्र पर्व है जहां हम अस्त होते सूर्य को अर्घ्य देते हैं, नई सुबह और नई उम्मीद के साथ हमारे जीवन में सकारात्मकता का संचार हो। इस सकारात्मकता के साथ सूर्य देव हमें सदैव आगे बढ़ते रहने की ऊर्जा प्रदान करते हैं।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

ईडी ने फ्लिपकार्ट और अमेजन से जुड़े विक्रेताओं के यहां मारे छापे,मचा हड़कंप

रायपुर,07 नवम्बर 2024 (ए)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को देश में कई जगहों पर ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट और अमेजन से जुड़े कई विक्रेताओं पर मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ी गतिविधियों को लेकर छापेमारी की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईडी ने पूरे भारत में शीर्ष ई-कॉमर्स कंपनियों की सहायक कंपनियों और विक्रेताओं पर छापे मारे हैं। करीब 24 जगहों पर ईडी द्वारा छापेमारी की गई है। इसमें दिल्ली,मुंबई, हैदराबाद और बेंगलुरु प्रमुख हैं। सूत्रों के अनुसार, कथित विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) नियमों से संबंधित ईडी की जांच चल रही थी।

दीपक बैज के खिलाफ एफआईआर को अफवाह बताया

रायपुर,07 नवम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के खिलाफ अहमदाबाद साइबर सेल द्वारा मामला दर्ज किये जाने की खबर तेजी से फैली। बताया गया कि बैज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर गुजरात में स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में भ्रामक जानकारी फैलाई। इस मामले को लेकर अहमदाबाद साइबर सेल ने जांच शुरू कर दी है। दीपक बैज के खिलाफ गुजरात पुलिस द्वारा एफ आईआर दर्ज किये जाने की खबर दिन भर सोशल मीडिया में वायरल होती रही। इस बीच कांग्रेस पार्टी ने अपने स्तर पर मामले का पता लगाया और आखिरकार यह सामने आया कि दीपक बैज के खिलाफ कोई भी एफ आईआरदर्ज नहीं की गई है।

बीएड डिग्रीवालों को नौकरी से निकाल देना समस्या का समाधान नहीं

» बीएड-डीएलएड डिग्री विवाद पर हाईकोर्ट में हुई सुनवाई...

बिलासपुर,07 नवम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बीएड अभ्यर्थियों को नौकरी से निकाले बिना ही डीएलएड डिग्री वालों को नियुक्ति देने का रास्ता सुझाया है। कंटेप्ट केस की सुनवाई करते हुए जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास ने कहा है कि सरकार ऐसा क्यों नहीं करती, कि बीएड डिग्री वालों को नौकरी से निकाले बिना ही डीएलएड वालों को भी नियुक्ति दे दी जाये। मामले की अगली सुनवाई 28 नवम्बर को है, इस दौरान माननीय हाईकोर्ट द्वारा सरकार को इन बिंदुओं पर विचार करने को कहा गया है।

हाईकोर्ट बिलासपुर में डीएड पक्ष की ओर से सरकार के विरुद्ध दाखिल किये गए कंटेम्प्ट केस की सुनवाई हुई। न्यायाधीश नरेंद्र कुमार व्यास ने कहा कि किसी की नौकरी छीनना किसी समस्या का समाधान नहीं है। उन्होंने सरकार को बीएड प्रशिक्षित नवनियुक्तों को वर्ग-2 में शिक्षक पद पर समायोजित करने का सुझाव देते हुए कहा कि ये चयनित हैं, मिडिल स्कूल में शिक्षण की योग्यता रखते हैं तथा इन्हें 1 वर्ष शिक्षण का अनुभव भी प्राप्त है।

जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास ने कहा कि सुप्रीमकोर्ट ने बीएड प्रशिक्षितों को प्राथमिक हेतु योग्य नहीं माना है परंतु माध्यमिक स्कूलों में शिक्षण के लिए ये योग्य हैं। इन 2900 सहायक शिक्षकों के प्रति सरकार की ज़िम्मेदारी है, तथा सरकार के पास अपनी शक्तियाँ हैं जिनका प्रयोग कर इनकी सेवा सुरक्षित रखी जा सकती है। गौरतलब है कि 2 अप्रैल 2024 को हाईकोर्ट द्वारा तथा 28 अगस्त 2024 को सुप्रीमकोर्ट के फ़ैसले से लगभग 2900 बीएड प्रशिक्षित नवनियुक्त सहायक शिक्षकों की नौकरी ख़तरे में आ गई है

ये सभी सहायक शिक्षक बस्तर और सरगुजा सम्भाग के सुदूर अंचल में विगत एक वर्ष से अपनी सेवाएं दे रहे हैं, अप्रत्याशित रूप से नियमों में बदलाव की वजह से इन पर पदमुक्ति का ख़तरा मंडरा रहा है।

सभी बीएड प्रशिक्षित सहायक शिक्षकों ने पूर्व में भी वर्ग 2 (मिडिल) में समायोजन के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को विभिन्न शिक्षक संगठनों के माध्यम से ज्ञापन सौंपा है। उनका कहना है कि सहायक शिक्षकों को शिक्षक पद पर समायोजित कर दिया जाए क्योंकि पूरी प्रक्रिया में अभ्यर्थियों का कोई भी दोष नहीं है। आज सभी 3000 शिक्षक सहित पूरे परिवार की आजीविका इसी नौकरी पर ही आश्रित है।

एनपीए लिए बिना प्राइवेट प्रेक्टिस करने वाले डॉक्टरों पर नहीं होगी कार्रवाई

रायपुर,07 नवम्बर 2024 (ए)। मेडिकल कालेज के डॉक्टरों के इस्तीफे की खबरों के बीच नॉन प्रेक्टिस अलाउंस को लेकर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बड़ा बयान दिया है। भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ को स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने यह आश्वासन दिया है कि नॉन प्रेक्टिस अलाउंस का लाभ नहीं लेने वाले डॉक्टरों पर प्राइवेट प्रेक्टिस करने पर कार्रवाई नहीं की जाएगी। उनके काम से अगर सरकारी व्यवस्था प्रभावित नहीं होती है, तो उन्हें प्रेक्टिस करने की छूट दी जाएगी।

एनपीए लेने के बाद भी सरकारी के बजाए निजी अस्पताल के प्रति काम में ईमानदारी दिखाने वाले चिकित्सकों पर स्वास्थ्य विभाग सख्ती बरतने के मूड में है। ऐसे चिकित्सकों के साथ संबंधित निजी अस्पतालों को भी आयुष्मान योजना के तहत कार्रवाई का आश्वासन दिया है। मामला काफी गरमाया हुआ है और मेडिकल कालेजों में सेवा देने वाले संविदा डाक्टर इसके विरोध में नौकरी छोड़ने की चेतावनी दे रहे हैं। इस मामले में डाक्टरों के एक प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. विमल चोपड़ा के नेतृत्व में स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात की। इस दौरान उन्हें इस आदेश की वजह से चिकित्सकों को होने वाली परेशानी और वर्तमान स्थिति से अवगत कराया गया। स्वास्थ्य मंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया है कि सख्ती एनपीए लेकर निजी अस्पतालों में सेवा देने वाले डाक्टरों पर की जा रही है। जो भत्ता नहीं लेते और उनके प्राइवेट प्रेक्टिस से सरकारी अस्पताल में व्यवधान नहीं हो रहा है, उन पर कार्रवाई नहीं की जाएगी और ऐसे अस्पतालों को भी इससे दूर रखा जाएगा। इसके अलावा चिकित्सकों का एक सलाहकार मंडल बनाया जाएगा, जो विभाग में समय- समय पर अपनी सलाह देगा। स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात करने वालों में डॉक्टर अखिलेश दुबे, डॉ प्रेम चौधरी, डॉक्टर अनिल कानावत, डॉ मनोज ठाकुर, डॉ आरआर वर्मा, डॉ किशोर सिन्हा एवं डॉक्टर अमित उपस्थित थे।

अंबेडकर अस्पताल अग्निकांड की जांच के लिए बनी कमेटी

» 5 स्पेशलिस्ट डॉक्टर्स की टीम पता लगाएगी शार्ट सर्किट की वजह

रायपुर,07 नवम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े अंबेडकर अस्पताल में आग लगने से हड़कंप मच गया था। इसके बाद अब इसकी जांच की जाएगी। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. विवेक चौधरी ने जांच टीम का गठन किया। दरअसल, अंबेडकर अस्पताल अग्निकांड के कारणों का पता लगाने पांच डॉक्टरों की टीम बना दी गई है। स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की टीम विद्युत और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों से कारण जानने का प्रयास करेगी कि एयर प्यूरीफायर में क्यों आग लगी है। विशेषज्ञों की टीम में सभी विभाग के एक-एक एचओडी को रखा गया है। इसमें हड्डी रोग विभाग के एचओडी डॉ. आर दास, सर्जरी विभाग की एचओडी डॉ. मंजू सिंह, आईसीसीयू प्रभारी डॉ. सुंदरानी और अंबेडकर अस्पताल के उप अधीक्षक डॉ. अनिल बघेल को शामिल किया गया है।जानकारी के अनुसार आज यानी 7 अक्टूबर को टीम घटनास्थल के अलावा पूरे अस्पताल की जांच करेगी कि कहां-कहां बिजली कनेक्शन को लेकर खतरा है या कहां की वायरिंग खराब है। टीम के साथ बिजली और पीडब्ल्यूडी विभाग के इंजीनियर और तकनीशियन भी रहेंगे।

धमकीबाज फैजान खान मीडिया से बोला...मेरा मोबाइल गुम था...

रायपुर,07 नवम्बर 2024 (ए)। सुपरस्टार शाहरुख खान को जान से मारने की धमकी मिलने की खबर सामने आने के बाद बॉलीवुड इंडस्ट्री और शाहरुख के फैन्स हैरान थे। जानकारी के अनुसार, कॉल करने वाले आरोपी का नाम फैजान खान बताया जा रहा है. कहा गया कि उसने शाहरुख को धमकी देने के बाद फोन बंद कर दिया है। हालांकि, इस मामले में अब एक नया मोड़ सामने आया है. शाहरुख को धमकी देने के आरोपी फैजान ने आजतक से बात की है. फैजान ने कहा कि उसका फोन 2 नवंबर को चोरी हो गया था.

जानकारी के अनुसार, शाहरुख को धमकी मिलने के मामले में जांच कर रही मुंबई पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए कॉल ट्रेस की तो पता चला कि ये कॉल रायपुर से किया गया है. पुलिस ने रायपुर पहुंचकर जांच शुरू कर दी. रायपुर में पुलिस ने फैजान खान संग पूछताछ की. जहां फैजान ने बताया कि उसका फोन 5 दिन पहले ही चोरी हो चुका है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शाहरुख खान के नाम धमकी भरा कॉल 5 नवंबर को, दोपहर 1 बजकर 21 मिनट पर बांद्रा पुलिस को किया गया था. फोन करने

वाले ने कहा, शाहरुख खान मन्नत बैंड स्टेंड वाला है ना...अगर उसने मुझे 50 लाख रुपये नहीं दिए,तो उसे मार डालूंगा. जब पुलिस ने कॉल करने वाले से उसकी पहचान पूछी तो जवाब मिला, ये मैटर नहीं करता कि मेरा नाम क्या है... अगर लिखना ही है तो मेरा नाम हिन्दुस्तानी लिखो.

गोपाल व्यास को सीएम विष्णुदेव साय ने श्रद्धांजलि दी

» गृहस्थ रहते भी वे महान संत थे, उनका जाना अपूरणीय क्षति...

रायपुर,07 नवम्बर 2024 (ए)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पूर्व राज्यसभा सांसद स्वर्गीय गोपाल व्यास के निधन पर पुरैना स्थित निवास पहुंचे और अंतिम दर्शन कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री साय ने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उल्लेखनीय है कि स्वर्गीय गोपाल व्यास के मंशानुरूप उनका पार्थिव शरीर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान को दान किया जाएगा। इस दौरान राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, विधायक विक्रम उसेंडी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

दुर्ग के महादेव मंदिर में तोड़फोड़

दुर्ग,07 नवम्बर 2024 (ए)। भिलाई के जामुल नागर पालिका क्षेत्र अंतर्गत वार्ड एक में शिवलिंग और उनके त्रिशूल को तोड़ने का प्रयास करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा। जामुल थाना प्रभारी कपिल देव पाण्डेय ने बताया मामला जामुल एसीसी चौक वार्ड एक का है। यहां एक बटकेश्वर महादेव का मंदिर है। एक चबूतरे में शिवलिंग की स्थापना की गई है। उसी में नंदी और शिव का त्रिशूल लगा हुआ है। मोहल्ले का रहने वाला मुर्तजा अली नाम के युवक ने शिवलिंग और त्रिशूल को तोड़ने का प्रयास किया है। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि वो बीते बुधवार रात

अपने घर से एसीसी चौक की तरफ आ रहा था। उसने देखा कि मुर्तजा भगवान शंकर के चबूतरे में चढ़ा हुआ है। वो पत्थर से शिवलिंग को तोड़ने का प्रयास कर रहा था। जैसे ही उसने लोगों को देका तो वो वहां से भाग गया। जब लोगों ने उससे पूछा तो वो काफी नशे में था। छग बजरंग दल के सदस्यों और जामुल के निवासियों ने जामुल थाने

महतारी वंदन योजना के फॉर्म फिर से भरे जाएंगे

» जिन महिलाओं ने नहीं किया आवेदन उन्हें मौका देगी सरकार

रायपुर,07 नवम्बर 2024 (ए)। प्रदेश के सबसे चर्चित और राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजना महतारी वंदन को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। यह अपडेट इस योजना के लिए फिर से किये जाने वाले आवेदन से जुड़ा है। विभाग की मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने खुद ही इस बारें में मीडिया से बात करते हुए जानकारी दी है।

हाईकोर्ट से दुष्कर्म पीड़िता युवती को मिला न्याय

» डीएनए टेस्ट से सच आया सामने...

बिलासपुर,07 नवम्बर 2024 (ए)। हाईकोर्ट में एफएसएल रिपोर्ट व डीएनए टेस्ट से सच सामने आया। इससे साफ हुआ कि आरोपियों ने दुष्कर्म की घटना का अंजाम दिया है। हाईकोर्ट ने आरोपियों को 25 वर्ष की सजा सुनाई है। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा के बेंच में हुई।छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से दुष्कर्म पीड़ित मूकबधिर युवकी को न्याय मिला है। मूकबधिर से दुष्कर्म करने वाले दो आरोपियों ने सजा के फैसले को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी। लेकिन हाईकोर्ट में एफएसएल रिपोर्ट व डीएनए टेस्ट से सच सामने आया। इससे साफ हुआ कि आरोपियों ने दुष्कर्म की घटना का अंजाम दिया है। हाईकोर्ट ने आरोपियों को 25 वर्ष की सजा सुनाई है। मामला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही का है। जहां रहने वाले संजीव कुजूर, सूरज दास समेत पांच आरोपियों पर आरोपियों पर आईपीसी की धारा 366-34, 342-34 और 376 डी के तहत आरोप लगाया गया कि 25 अगस्त 2019 की शाम करीब 6 से 7 बजे मरवाही पुलिस स्टेशन जिला बिलासपुर के अंतर्गत बाजार में वे मूक-बधिर पीड़िता को जबरन मोटर साइकिल से तालाब के पास ले गए और उससे सामूहिक अनाचार किया।शिकायतकर्ता पीड़िता की चाची ने मरवाही पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका बड़ा भाई उसके घर के पास रहता है और उसकी 22 वर्षीय बेटी जो जन्म से मूकबधिर है और इशारों के माध्यम से बातचीत करती है। जिसे वह और उसकी मां समझती है। पीड़िता हमेशा की तरह शाम को खाना मांगने बाजार गई थी। रात 11 बजे के आसपास वह रोती हुई घर लौटी और उसे और उसकी मां को इशारे से बताया कि ज बवह शाम में बाजार से लौट रही थी पांच लड़कों ने उसे जबरदस्ती मोटरसाइकिल पर बिठाया उसे तालाब की सीढ़ियों पर ले गए और उसके हाथ-पैर बांध दिए और एक-एक करके उसके साथ दुष्कर्म किया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)